विशाल इण्डिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्ष : 13 | अंक : 96 | गौतमबुद्धनगर, बुधवार 06 मार्च 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रूपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3

जैतपुरा डिपो से बोड़ाकी तक मेट्रो के विस्तार को

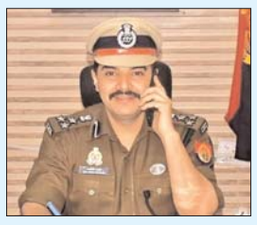

P- 4

डीआईजी ने अवैध शराब कारोबार में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध

P- 5

जिनपिंग के खतरनाक इरादे, चीन ने 7 फीसदी से ज्यादा बढ़ाया रक्षा

P- 6

कश्मीर की अनस और आयरा ने मॉस्को स्टार्स वुशु इंटरनेशनल में जीते

हैप्पी मॉर्निंग

लड़का- कल से हम कहीं और मिलेंगे।
लड़की- क्यों
लड़का- बड़े जालिम हैं तेरी गली के बच्चे।
लड़की- क्यों क्या हुआ?
लड़का- कुत्ते पीछे लगाकर कहते हैं 'जब प्यार किया तो डरना क्या।

शायरी

बंदा तो इस इकरार पै बिकता है तेरे हाथ,
लेना है अगर मोल तो आज़ाद न करना।

अर्थसार

सेंसेक्स:
73,677.13
-195.16 (0.26%)
निफ्टी:
22,356.30
-49.30

मौसम

अधिकतम : 23 डिग्री से0
न्यूनतम : 10 डिग्री से0
सूयोदय गुरुवार : 7 : 05
सूर्यास्त बुधवार : 6 : 26

किसान तैयार : अब दिल्ली कूच

गाजीपुर-सिंघू और टिकरी सीमा पर पुलिस तैयार, रेल-बस और मेट्रो सब पर नजर

किसानों की प्रमुख मांग

- एमएस स्वामीनाथन समिति की सिफारिशों को लागू किया जाए
- गन्ने की बेहतर कीमत दी जाए
- 60 साल से अधिक उम्र के किसानों को प्रतिमाह 10,000 रुपये पेंशन
- लखीमपुर खीरी हिंसा पीड़ितों के लिए न्याय की मांग
- शहीद हुए किसानों के स्मारक के लिए दिल्ली में जमीन
- सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी

नई दिल्ली। किसानों ने 6 मार्च को दिल्ली चलो मार्च का ऐलान किया है। इसे देखते हुए दिल्ली की सीमाओं पर सुरक्षा व्यवस्था फिर बढ़ा दी गई है। गाजीपुर बॉर्डर पर भारी सुरक्षा इंतजाम नजर आया है। यहां सड़क पर पुलिस की बैरिकेडिंग नजर आई और सीमेंट के बैरिकेड भी नजर आए। कटीले तार भी नजर आए हैं और पुलिस दिल्ली में इस मार्च के दौरान किसी तरह की अप्रिय घटना ना हो इसे रोकने के लिए हर तरह से तैयार नजर आई।

इससे पहले भारतीय किसान यूनियन (शहीद भगत सिंह) प्रवक्ता तजवीर सिंह ने शंभु बॉर्डर पर इससे पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 6 मार्च को किसान शांति पूर्वक दिल्ली के जंतर-मंतर की तरफ कूच करेंगे। हमें जानकारी मिली है कि मध्य प्रदेश और बिहार से किसानों ने अपनी यात्रा शुरू भी कर दी है। हमारा प्रदर्शन एमसपी की गारंटी को लेकर हैं। हम सभी तरह के संगठनों से अपील करते हैं कि वो हमें सपोर्ट करें और जंतर-मंतर पर हमें ज्वायन करें। किसानों का यह मार्च 13 फरवरी को शुरू हुआ था लेकिन सुरक्षा बलों ने उन्हें किसी तरह दिल्ली में घुसने से रोक दिया था। जिसके बाद किसान हरियाणा और पंजाब की सीमा पर डटे हुए थे। कुछ मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है कि दिल्ली पुलिस ने दिल्ली की टीकरी, सिंघू और गाजीपुर सीमाओं पर कड़ी निगरानी करने का निर्देश जारी किया है। इसके अलावा रेलवे, मेट्रो स्टेशनों और बस अड्डों पर भी पुलिस ने सुरक्षा कड़ी कर दी है। किसान आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संगठनों किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) ने तीन मार्च को देश भर के किसानों से 6 मार्च को दिल्ली पहुंचने की अपील की थी।

हाई कोर्ट पहुंचे किसान : निहत्थे किसानों पर सेना स्तर के हथियार इस्तेमाल हुए

एजेंसी

स्वतंत्र आयोग गठन की मांग

याचिका में कहा गया है कि हरियाणा सरकार की हिंसक कार्रवाई पर पंजाब सरकार व पंजाब पुलिस मौन रही। हरियाणा सरकार के कहने पर पुलिस द्वारा किए गए नुकसान की जांच दोनों राज्य की सरकारें नहीं कर सकती हैं। ऐसे में हरियाणा पुलिस के इन हिंसक कृत्यों की जिम्मेदारी तय करने के लिए उच्च न्यायालय के मौजूदा या सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में स्वतंत्र आयोग गठित करने का निर्देश जारी करने की अपील की गई है।

पंजाब में किसान आंदोलन में प्रदर्शनकारी किसानों के जीवन और उनकी संपत्तियों के हुए नुकसान के आकलन के लिए भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष बलबीर सिंह राजेवाल ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की है।

इसमें मांग की गई है कि 21 फरवरी को पंजाब-हरियाणा सीमाओं पर प्रदर्शनकारी किसानों को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए न्यायिक जांच की जाए। याचिका में कहा गया कि निहत्थे किसानों पर सेना स्तर के हथियारों का इस्तेमाल किया गया था। इसमें कई किसानों की जान चली गई थी और 250 से अधिक किसान घायल हुए थे।

भाकियू प्रधान बलबीर सिंह राजेवाल ने जनहित याचिका में बताया कि हरियाणा सरकार के आदेश पर हरियाणा पुलिस व सीआरपीएफ ने पंजाब के क्षेत्र में घुसकर प्रदर्शनकारी किसानों पर हिंसक कार्रवाई की गई थी। इसमें कई किसानों की जान चली गई थी और 250 से अधिक किसान घायल हो गए। पैलेट गन के इस्तेमाल के कारण कई किसानों ने अपने अंग खो दिए।

अंधाधुंध गोलीबारी के कारण किसानों की जान और संपत्ति जैसे ट्रैक्टर ट्रॉली, कार, मोटरसाइकिल और अन्य मोटर वाहनों को भी भारी नुकसान हुआ।

किसान अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना चाहते थे और इन निहत्थे किसानों पर अंधाधुंध फायरिंग की गई।

शिवकुमार के खिलाफ ईडी का मुकदमा रद्द, सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के खिलाफ 2018 के धनशोधन के एक मुकदमे की कार्यवाही को मंगलवार को रद्द कर दी।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने यह आदेश याचिकाकर्ता उप मुख्यमंत्री शिवकुमार और अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच जारी रखने के कर्नाटक उच्च न्यायालय के अगस्त 2019 के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर पारित किया।

शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें ईडी को अपनी जांच जारी रखने की अनुमति दी गई थी।

ईडी ने शिवकुमार को समन जारी किया था, जिसे उन्होंने कर्नाटक उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी।

ईडी ने 2017 में आयकर छापे के दौरान श्री शिवकुमार से कथित तौर पर जुड़े दिल्ली के परिसरों से लगभग सात करोड़ रुपए नकद जब्त किए जाने की सूचना के बाद 2018 में उनके खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया था।

ईडी के कई दिनों की पूछताछ के बाद सितंबर 2019 में कांग्रेस नेता शिवकुमार को गिरफ्तार किया था। इस मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने अक्टूबर 2019 में उन्हें जमानत दे दी थी।

बिहार विधानसभा सुरक्षा प्रहरी भर्ती परीक्षा रद्द

महागठबंधन सरकार के दौरान हुआ था एग्जाम

बिहार विधानसभा में सुरक्षा प्रहरी पदों पर भर्ती के लिए आयोजित हुई परीक्षा को रद्द कर दिया गया है। अब इसके लिए नए सिरे से परीक्षा होगी। नई परीक्षा तिथि की घोषणा बाद में की जाएगी। सुरक्षा प्रहरी (मार्शल) के 69 पदों पर सीधी भर्ती के लिए 10 सितंबर को प्रारंभिक परीक्षा हुई थी। इसमें 27 हजार से अधिक अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इसके बाद इसी साल 19 से 22 जनवरी तक अभ्यर्थियों की शारीरिक जांच व दक्षता परीक्षा आयोजित की गई थी। दरअसल, विधानसभा सचिवालय को परीक्षा लेने में पारदर्शिता की कमी की शिकायत मिली थी। इस संबंध में सभा सचिवालय को प्रतिवेदन भी प्राप्त हुआ था। इसी के आधार पर पूरी तरह विचार करने के बाद सुरक्षा प्रहरी के लिये विज्ञापन संख्या 01/2023 के तहत ली गई परीक्षाओं को रद्द करने का निर्णय लिया गया। राज्य विधानसभा सचिवालय के उप सचिव राम कुमार यादव द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है, प्राप्त रिपोर्टों पर विचार करने के बाद परीक्षा को रद्द कर दिया गया है। इसकी डिटेल्स बाद में बिहार विधानसभा की वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाएगी। विधानसभा अध्यक्ष आनंद किशोर यादव ने कहा कि वह इस मामले को देख रहे हैं। परीक्षा कैंसिल किए जाने का निर्णय लिए जाने के बाद उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और विधानसभा अध्यक्ष को धन्यवाद दिया। महागठबंधन सरकार के निर्णय को रद्द करने का यह एनडीए सरकार का पहला फैसला है। हालांकि विधानसभा में अन्य पदों पर भर्ती के लिए भी आवेदन मांगे गए थे, लेकिन वे भी जांच के दायरे में हैं या नहीं, इसकी जानकारी नहीं है। सिन्हा, जो पहले खुद विधानसभा अध्यक्ष थे, ने कहा, हमने विधानसभा भर्ती को लेकर महागठबंधन सरकार से पहले भी कई बार सवाल किए थे।

पेपर लीक | 14 ट्रेनी एसआई समेत 16 गिरफ्तार; मंत्री किरोड़ी लाल बोले- परीक्षा रद्द कराएंगे

जयपुर के सेंटर से लीक हुआ था एसआई-भर्ती का पेपर

जयपुर। राजस्थान में सब इंस्पेक्टर) भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने अब तक कुल 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 14 ट्रेनी एसआई हैं। वहीं, दो की अभी जांच की जा रही है।

एडीजी एसओजी वीके सिंह ने मंगलवार शाम 6 बजे प्रेस वार्ता में बताया- पेपर लीक जयपुर के हसनपुरा में शांति नगर स्थित परीक्षा केंद्र रवींद्र बाल भारती सी. सै. स्कूल से हुआ था। इस मामले में अभी तक सेंटर सुपरिटेंडेंट राजेश खंडेलवाल की गिरफ्तारी हुई है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया है।

वहीं, इससे पहले दोपहर करीब 2 बजे कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ऑफिस पहुंचे। पुलिस उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा में पेपर लीक कर पास होने के मामले में उन्होंने एसओजी के अधिकारियों से बात की। मंत्री किरोड़ी लाल ने मीडिया से बातचीत में कहा- मेरे पास कई ऐसे दस्तावेज और सबूत हैं, जिससे पता चलता है कि राजस्थान लोक सेवा आयोग में किन-किन लोगों ने पेपर लीक में सहयोग किया था। किरोड़ी लाल ने कहा- एडीजी एसओजी वीके सिंह ने भर्ती परीक्षा को रद्द करने की बात पर कहा है कि आप सरकार में हैं। आप अपने स्तर पर इस परीक्षा को रद्द करने का प्रयास करें। इस पर मैंने वीके

सिंह से कहा है कि मैं सरकार में हूं, इसलिए सरकार से परीक्षा को रद्द करने के लिए बात करूंगा।

किरोड़ी बोले- पेपर लीक से एसआइ बनने वालों की संख्या 300 पहुंच सकती है

मंत्री किरोड़ी लाल ने बताया- एसआई भर्ती पेपर लीक मामले में एसओजी ने अच्छी कार्रवाई की है। यह संख्या 250 से 300 तक जा सकती है। इन लोगों को हटा दिया जाएगा। शायद उनकी जगह नई भर्ती निकाली जाएगी। जो निर्दोष हैं, उन पर कोई कार्रवाई नहीं होनी चाहिए।

महिला की जगह पुरुष पेपर देने बैठे

किरोड़ी लाल ने कहा- हम लोगों ने आज वीके सिंह को जानकारी दी है कि एक महिला एसआई की जगह पुरुष ने पेपर दिया। वह महिला एसआई राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) में ट्रेनिंग ले रही है। उसकी पूरी जानकारी एसओजी को दे दी है। पिछली सरकार ने 50 प्रतिशत फर्जी लोगों की भर्ती की है। मैंने आज एसओजी को बताया है कि आप वीडियोग्राफी देखो, जो RPSC के ऑफिस में रखी हुई है। उस वीडियोग्राफी से मिलाकर देखो। आपको फर्जी अभ्यर्थी की जानकारी मिल जाएगी।

किरोड़ी ने कहा- आरएएस भर्ती परीक्षा-2021 के टॉपर को 155 नंबर मिले, शिवा शर्मा को 145 नंबर मिले। वीके सिंह ने जब आंसर शीट को पढ़ा तो उन्होंने कहा कि मैं इसे 5 नंबर भी नहीं देता। फिर इसके 145 नंबर कैसे आ गए। यह फर्जीवाड़ा आरएएस भर्ती परीक्षा-2021 में हुआ है। पेपर के अंदर लिखा कुछ नहीं है।

फेसबुक एक घंटे डाउन रहा

मोबाइल पर सेशन एक्सपायर बता रहा था; इंस्टाग्राम पर भी फीड रीफ्रेश नहीं हुई

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक और इंस्टाग्राम मंगलवार रात 8.56 बजे डाउन हो गए। करीब एक घंटे बाद फेसबुक की सर्विस चालू हो गई। लेकिन इंस्टाग्राम पर अब भी नई फीड रिफ्रेश नहीं हो रही है।

मंगलवार रात मेटा कंपनी के दोनों प्लेटफॉर्म्स पर यूजर्स को लॉगिन और फीड रिफ्रेश करने में दिक्कत आने लगी थी।

फेसबुक पर यूजर्स के अकाउंट ऑटोमेटिक लॉगआउट हो गए थे। जबकि इंस्टाग्राम पर यूजर्स नए फीड्स को रिफ्रेश नहीं कर पा रहे हैं। कुछ यूजर्स ने यूट्यूब पर वीडियो स्ट्रीमिंग को लेकर भी कंप्लेन की है। लॉगिन करने के लिए ये प्लेटफॉर्म्स यूजर्स के वॉट्सऐप और ईमेल पर रिकवरी कोड भेज रहे हैं, लेकिन कई यूजर्स के पास ये कोड नहीं आ रहे हैं। जिनके पास कोड आ भी रहा है तो यह लोड नहीं हो रहा है।

डाउन डिटेक्टर के मुताबिक रात करीब 9 बजे 21 हजार से ज्यादा लोगों ने समस्या के बारे में रिपोर्ट किया है।

इसमें 52 प्रतिशत लोगों ने लॉगिन की समस्या, 40 प्रतिशत लोग ऐप में और 8 प्रतिशत लोगों ने वेबसाइट्स में समस्या के लिए रिपोर्ट किया है।मेटा के स्पोक पर्सन एंडी स्टोन ने बताया फेसबुक, इंस्टाग्राम की दिक्कतों को दूर करने का प्रयास जारी है।

शाहजहां की कस्टडी लेने पहुंची सीबीआई खाली हाथ लौटी

बंगाल पुलिस हेडक्वार्टर में 2 घंटे इंतजार किया; हाईकोर्ट ने सौंपने का आदेश दिया था

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी मंगलवार को शाहजहां शेख की कस्टडी सीबीआई को नहीं मिली। केंद्रीय जांच एजेंसी बंगाल पुलिस के हेडक्वार्टर से 2 घंटे के इंतजार के बाद खाली हाथ लौट गई।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को शाम 4.30 बजे तक शेख को सीबीआई को हैंडओवर करने के आदेश दिए थे। इसके अलावा, शेख का केस सीबीआई को ट्रांसफर करने को भी कहा था। साथ ही इस केस से जुड़े सभी कागजात देने का भी आदेश दिया था। इसके बाद शाम 4: 40 बजे सीबीआई की टीम उसे लेने के लिए भवानी भवन पुलिस हेडक्वार्टर पहुंची थी। इस बीच राज्य सरकार ने इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। ईडी की याचिका पर कलकत्ता हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस टीएस शिवगणनम की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने कहा,

पश्चिम बंगाल पुलिस का रवैया पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण है। इसे देखते हुए निष्पक्ष और ईमानदार जांच की जरूरत है। हमें यह मानने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि राज्य की एजेंसियों से निष्पक्ष जांच की उम्मीद नहीं है। कोर्ट ने कहा, बंगाल पुलिस आरोपी को बचाने के लिए लुका-छिपी का खेल रही है।

आरोपी राजनीतिक रूप से प्रभावशाली व्यक्ति है। वह बंगाल पुलिस की जांच को प्रभावित कर सकता है। दरअसल, कलकत्ता हाईकोर्ट ने ईडी की सीबीआई को केस ट्रांसफर करने की याचिका पर सोमवार को फैसला रिजर्व रखा था। इस साल 5 जनवरी को शेख के लोगों ने छापेमारी के दौरान ईडी के टीम पर हमला किया था। ईडी और राज्य सरकार ने अलग-अलग याचिकाएं दायर कर सिंगल बेंच के 17 जनवरी के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें बेंच ने ईडी अधिकारियों पर भीड़ के हमले की जांच के लिए सीबीआई और राज्य पुलिस की जॉइंट स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम गठित करने का आदेश दिया था।

ईडी शाहजहां की 14 अचल संपत्तियां कुर्क कीं

ईडी ने मंगलवार को जानकारी दी कि शाहजहां शेख की 12.78 करोड़ रुपए की 14 अचल संपत्तियों कुर्क की गई हैं। इनमें सरबेरिया, संदेशखाली और कोलकाता में अपार्टमेंट, कृषि भूमि, मछली पालन की जमीन के अलावा जमीन और मकान शामिल हैं।

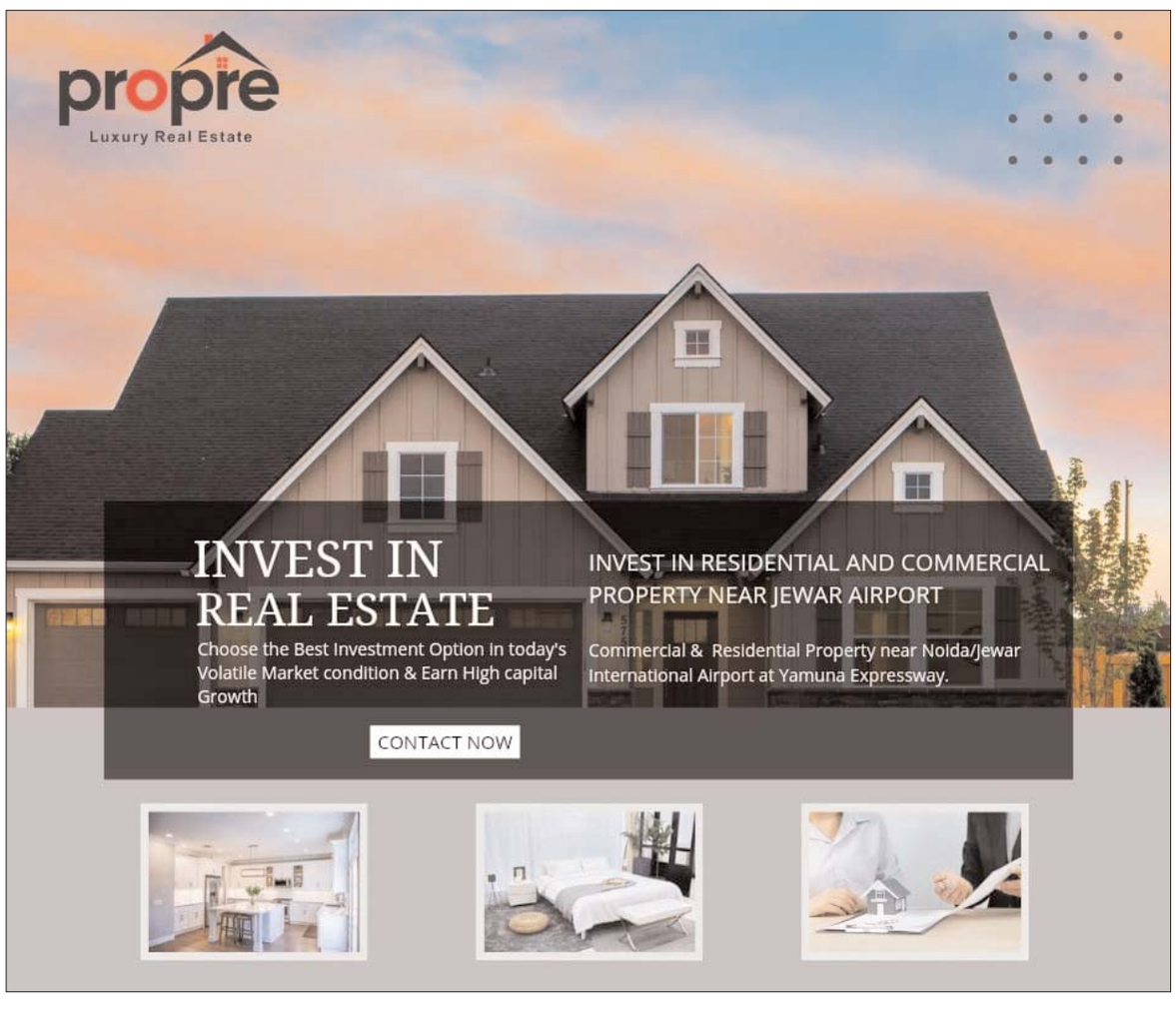

गेहूं की पैदावार में ठहराव चिंताजनक

पिछले 6 वर्षों में सरकार द्वारा रिकार्डतोड़ गेहूं उत्पादन के दावों के विपरीत, गेहूं के उत्पादन और उत्पादकता में ठहराव देश की खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। पिछले 50 वर्षों से, हरित क्रांति दौर की तकनीकों को अपनाने से मुख्य अनाज फसलों गेहूं-धान की पैदावार में लगातार विकास ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को स्थायित्व प्रदान किया है।

भारत में गेहूं की खेती परम्परागत तौर पर उत्तरी प्रदेशों पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश आदि के मैदानी क्षेत्रों में भरपूर मात्रा में होती है। लेकिन पिछले 3 दशकों में सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि होने से देश के मध्य क्षेत्र के प्रदेश राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात आदि भी गेहूं उत्पादक राज्य बन गये हैं। वर्ष 2022-23 के दौरान, भारत में 110 मिलियन टन गेहूं उत्पादन हुआ और वैश्विक बाज़ार में 11,826.90 करोड़ रुपये की कीमत का कम गेहूं निर्यात किया गया।

दुनियाभर में, भारत गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत में 2000 के बाद से, गेहूं उत्पादन करने वाले क्षेत्र में 17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जबकि गेहूं उत्पादन में 40 फीसदी की वृद्धि हुई है। प्रकृति में, गेहूं की फसल को अच्छी पैदावार के लिए ज्यादा अवधि के सर्दकालीन ठंडे मौसम की ज़रूरत होती है, इसलिए गेहूं फसल की खेती को दक्षिण व तटीय प्रदेशों में बढ़ाना तकनीकी तौर पर सम्भव नहीं है।

केन्द्र सरकार के सार्वजनिक सूचना ब्यूरो द्वारा 14 मार्च, 2023 को जारी जानकारी के अनुसार वर्ष 2022-23 में गेहूं लगभग 31.86 मिलियन हेक्टेयर भूमि पर उगाया गया और वर्ष 2014 से 2023 के दौरान देश में गेहूं खेती के क्षेत्रफल में मामूली वृद्धि दर्ज हुई, जो मुख्यत~ मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान आदि मध्य क्षेत्र के प्रदेशों में हुई है। जबकि परम्परागत गेहूं उत्पादक प्रदेशों उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा आदि में गेहूं खेती का क्षेत्रफल पहले से कम हुआ और हरियाणा में तो गेहूं की उत्पादकता में भी कमी दर्ज हुई है। देश में पिछले 6 वर्षों से 95 प्रतिशत सिंचित क्षेत्र में होने के बावजूद गेहूं फसल की उत्पादकता 33-35 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पर अटकी हुई है। जो देश में गेहूं की उत्पादकता में ठहराव का सूचक है।

ऐसे में लगातार बढ़ती जनसंख्या की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए, वर्ष 2050 तक भारत को 140 मिलियन टन गेहूं की आवश्यकता का अनुमान सरकार द्वारा लगाया जा रहा है। लेकिन भविष्य में गेहूं खेती के क्षेत्रफल के बढ़ने की ज्यादा संभावना नहीं है। इसलिये गेहूं फसल की उत्पादकता को मौजूदा 34 से 47 क्विंटल प्रति हेक्टेयर करने का लक्ष्य रखना होगा। जो कि देश में उपलब्ध उन्नत तकनीक के आधार पर असंभव तो नहीं, लेकिन मुश्किल ज़रूर रहेगा। क्योंकि उत्तर भारतीय गेहूं उत्पादक प्रदेशों पंजाब और हरियाणा आदि में गेहूं फसल की औसत पैदावार 45 क्विंटल प्रति हेक्टेयर के आसपास ठहर गई है, और मध्य भारत के प्रदेशों में, गेहूं फसल को कम अवधि के सर्द मौसम मिलने से, गेहूं की औसत पैदावार में एक-तिहाई की कमी रहती है।

दुर्भाग्य से, भारत में उपलब्ध फसल उत्पादन के सरकारी आंकड़ों की विश्वसनीयता पर भी गहरा संकट छाया हुआ है। पिछले कुछ वर्षों से, पहले रिकार्डतोड़ फसल उत्पादन का दावा करने के बाद, सरकार स्वयं ही गेहूं जैसी मुख्य फसलों के आंकड़े घटाती रही है। वर्ष 2021-22 में, सरकार ने पहले 111 मिलियन टन से ज्यादा गेहूं उत्पादन का दावा किया था, लेकिन बाद में इन आंकड़ों को लगभग 6 प्रतिशत घटाकर 105 मिलियन टन करना पड़ा था।

इन आंकड़ों के कारण ही सरकार वर्ष 2022-23 सीजन में 44.4 मिलियन टन लक्ष्य के मुकाबले मात्र 18.8 मिलियन टन और वर्ष 2023-24 सीजन में 34 मिलियन टन लक्ष्य के मुकाबले मात्र 26 मिलियन टन गेहूं की सरकारी खरीद कर सकी है। इसके दुष्प्रभाव से सरकार को अचानक गेहूं निर्यात पर प्रतिबंध लगाने पड़े थे। अमेरिका के कृषि विभाग के अनुसार, भारत में वर्ष 2018 से 2023 के दौरान, गेहूं का कुल उत्पादन औसतन 107 मिलियन टन और उत्पादकता 3.4 टन प्रति हेक्टेयर के आसपास थम गई है। इसी तरह धान की औसत पैदावार भी लगभग 4.1 टन प्रति हेक्टेयर पर ठहरी हुई है।

क्या मायावती खुद ही अपनी पार्टी को धीरे-धीरे खत्म करने पर तुली हैं?

अजय कुमार

बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने अपनी कुछ राजनैतिक जिम्मेदारियां अपने भतीजे और बसपा के राष्ट्रीय को-ऑडिनेटर आकाश आनंद को सौंप कर क्या संदेश दिया है, कोई नहीं जानता। मायावती ने अपने आप को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड तक समेट कर बाकी राज्यों की जिम्मेदारी आनंद को दे दी है। मायावती के इस फैसले पर नेतागण अपने हिसाब से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ को लगता है कि मायावती ने काफी सोच समझकर बसपा में अपने आप को सीमित किया है। संभवत: वह नहीं चाहती होंगी कि देश जीतने के चक्कर में कहीं उनका मजबूत किला यूपी और उत्तराखंड हाथ से नहीं निकल जाये। जहां उनके लिये हमेशा संभावनाएं बनी रहती हैं। कहा यह जा रहा है कि बहनजी चुनाव की तारीख घोषित होते ही यूपी में अपनी जनसभाएं शुरू कर देंगी। पहले वह मंडलवार सभाएं करेंगी। बीएसपी के लिये मजबूत समझी जाने वाली सीटों पर विशेष तौर पर फोकस रहेगा। मजबूत समझी जाने वाली सीटों के लिये वह जनसभाएं भी ज्यादा करेंगी।

चुनाव की बेला में मायावती ने जो कदम उठाया है उससे बसपा को कितना नफा-नुकसान होगा यह तो समय ही बतायेगा, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि बसपा सुप्रीमो ने जो भी फैसला लिया है, वह काफी सोच समझकर लिया होगा। मायावती एक परिपक्व नेत्री हैं। उन्होंने बसपा को इस बुलंदी तक पहुंचाने में पूरा योगदान दिया था। दलित चिंतक स्वर्गीय कांशीराम की राजनैतिक विरासत को आगे बढ़ाने वाली मायावती की पहचान एक बड़ी नेत्री के रूप में होती है। मायावती पर दलित पूरा विश्वास करते हैं। दलित वोटरों ने कभी भी बहनजी का साथ नहीं छोड़ा जबकि मायावती अपनी सियासी जरूरतों को पूरा करने के लिए अक्सर गैर दलित वोटरों को भी बसपा में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देती रहीं। बसपा की सियासी प्रयोगशाला से मायावती ने कभी दलित-मुस्लिमों को एक छतरी के नीचे खड़ा किया तो कभी सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की राजनीति को अमली जामा पहनाया। मायावती ने दलित नेताओं की बड़ी लीडरशिप तैयार की तो कई क्षत्रिय, ब्राह्मण, पिछड़ों और मुस्लिम चेहरों को भी राजनीति में उभरने का पूरा मौका दिया, लेकिन इसका दूसरा पहलू यह भी रहा कि बसपा सुप्रीमो ने भले ही नये नेताओं की 'फौज' तैयार की थी, लेकिन यह नेता मायावती के साथ लम्बे समय तक रह नहीं पाये। इसमें से ज्यादातर को बहनजी ने स्वयं पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया था तो कुछ ने मौके की नजाकत को भांप कर स्वयं पार्टी छोड़ने में देरी नहीं की। वैसे यह यह बताना भी गलत नहीं होगा कि मान्यवर कांशीराम ने सिर्फ मायावती को ही आगे नहीं बढ़ाया था। अलग-अलग समाज के लोगों को चुनकर उन्हें नेता बनाया था। ओमप्रकाश राजभर, सोनेलाल पटेल, आरके चौधरी और मसूद अहमद ऐसे ही नेताओं में शामिल रहे हैं लेकिन सभी बिछड़ते गए। राजभर ने 2002 में, दिवंगत सोनेलाल पटेल ने 1995 में और आरके चौधरी ने 2016 में बसपा छोड़ दी थी। आरके चौधरी तो राजनीति में कोई जगह हासिल नहीं कर पाए लेकिन ओमप्रकाश राजभर और सोने लाल पटेल की पार्टी आज भी अच्छी खासी राजनीतिक ताकत रखती हैं।

बसपा को जमीन से उठाकर आसमान तक ले जाने वाली मायावती की राजनीति पिछले दस वर्षों से काफी उतार पर नजर आ रही है। 2007 के विधानसभा चुनाव में वह अंतिम बार बड़े अंतर से सपा से जीती थीं। आज की तारीख में बसपा सुप्रीमो मायावती पार्टी के कई दिग्गजों को बाहर का रास्ता दिखा चुकी हैं। इनमें कई ऐसे भी नाम हैं, जिन्हें एक समय मायावती का सबसे करीबी नेता माना जाता था। इनमें लालजी वर्मा न सिर्फ विधानमंडल दल के नेता थे बल्कि वर्मा वह नेता हैं, जिनके प्रदेश अध्यक्ष रहते 2007 में बसपा की पूर्ण बहुमत की सरकार यूपी में बनी थी। राम अचल राजभर भी मायावती के खासम खास माने जाते रहे हैं। 13 सालों में बसपा 206 विधायकों से महज एक विधायक पर आ टिकी है। बसपा के जिन नेताओं को प्रदेश स्तर पर पहचान हासिल हुई थी वह एक-एक करके बसपा से अलग हो गए हैं। 2007 में जब प्रदेश में बसपा की बहुमत की सरकार बनी थी तब मायावती ने जितने विधायकों को कैबिनेट मंत्री बनाया था, उनमें से आज एक्का-दुक्का ही बसपा के साथ खड़े हैं। 2007 में 206 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने वाली मायावती ने नकुल दुबे, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, लालजी वर्मा, रामवीर उपाध्याय, ठाकुर जयवीर सिंह, सुधीर गोयल, स्वामी प्रसाद मौर्य, वेदराम भाटी, चौधरी लक्ष्मी नारायण, राकेश धर त्रिपाठी, बाबू सिंह कुशवाहा, फागू चौहान, दद्दू प्रसाद, राम प्रसाद चौधरी, धर्म सिंह सैनी, राम अचल राजभर, सुखदेव राजभर और इंद्रजीत सरोज को बड़े पोर्टफोलियो दिए थे, लेकिन आज इसमें से कोई भी बसपा में नहीं है। सबने अपनी अलग राह पकड़ ली है।

2012 में समाजवादी पार्टी चुनाव जीती और मुलायम ने अपने बेटे अखिलेश को सीएम की कुर्सी पर बैठा दिया। उसके पश्चात 2017 में बीजेपी की सरकार बनी और योगी आदित्यनाथ सीएम की कुर्सी पर विराजमान हुए। 2022 में भी उनको जीत हासिल हुई और एक बार फिर वह सीएम बने। लेकिन मायावती का कहीं से कोई भला नहीं हुआ। 2007 में चुनाव जीतकर सरकार बनाने के बाद से उनकी सत्ता में वापसी भी नहीं हुई है जबकि अपनी ताकत बढ़ाने के लिये मायावती ने 2019 में अपनी धुर विरोधी समाजवादी पार्टी तक से हाथ मिला लिया। परिणाम स्वरूप उनके दस सांसद चुनाव जीते थे, लेकिन अब यह सांसद भी बसपा से दूरी बनाने लगे हैं। लोकसभा चुनाव से पहले बसपा नेता शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली ने समाजवादी पार्टी ज्वाइन कर ली है। उन्होंने कहा, पार्टी बदलना मेरे लिए समय की जरूरत थी। मैं समाजवादी पार्टी का हिस्सा बन गया हूं और अब यह मेरा कर्तव्य है कि पार्टी को मजबूत करूँ और अखिलेश यादव का समर्थन करूँ। मुझे यकीन है कि आगामी लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन अच्छा प्रदर्शन करेगा। हम सेक्युलर लोगों के साथ रहना चाहते हैं।%% गुड्डू जमाली आजमगढ़ की मुबारकपुर सीट से साल 2012 और 2017 में बीएसपी के विधायक रह चुके हैं। ऐसा माना जाता है कि इस क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ है। उन्होंने 2014 और 2022 का लोकसभा उपचुनाव क्रमश: सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव और धर्मेंद्र यादव के खिलाफ बसपा के टिकट पर लड़ा था। इसके अलावा अन्य सांसद रितेश पांडेय ने गत दिनों पार्टी से इस्तीफा देकर बीजेपी में शामिल होने की घोषणा की तो इसको लेकर चर्चा भी छिड़ गई। बड़ी बात यह है कि वह अकेले नहीं हैं। पार्टी के कई सांसदों के बारे में ऐसी खबरें आ रही हैं कि उनकी निष्ठा बदल चुकी है। हालांकि जब तक औपचारिक घोषणा न हो जाए तब तक ऐसी अटकलों को ज्यादा अहमियत नहीं दी जाती। मगर बीएसपी चीफ मायावती ने खुद यह कहकर इन खबरों को कुछ हद तक प्रामाणिकता दे दी है कि अपना हित साधने में लगे ऐसे सांसदों को पार्टी टिकट दे भी तो क्यों?

2019 के लोकसभा चुनाव में सपा के साथ गठबंधन में रहकर बीएसपी ने यूपी की 10 सीटें जीती थी। उनमें से 6 सांसद या तो बसपा छोड़ चुके हैं या स्पष्ट संकेत दे चुके हैं कि वह नया विकल्प तलाशेंगे। बीएसपी के दो और सांसदों के जल्द पाला बदलने की अटकलें हैं।

इनमें से एक पश्चिमी यूपी के सांसद हैं, जो अब अपना भविष्य जयंत चौधरी के राष्ट्रीय लोक दल में देख रहे हैं। आरएलडी हाल ही में भाजपा के साथ आ चुका है। यूपी की लालगंज सीट से बसपा सांसद संगीता आजाद के भी भाजपा में शामिल होने की चर्चा है। उन्हें उनके पति के साथ बजट सत्र के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के दफ्तर के बाहर देखे जाने से इन कयासों को और हवा मिली है। अफजाल अंसारी को सपा ने उम्मीदवार घोषित किया है। समाजवादी पार्टी ने गाजीपुर के बीएसपी सांसद अफजाल अंसारी को उसी सीट से अपनी पार्टी का उम्मीदवार बनाने की घोषणा की है। पिछली बार अंसारी ने जम्मू और कश्मीर के मौजूदा लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा को हराया था।

उधर, बसपा से निकाले जाने के बाद सांसद दानिश अली की कांग्रेस से दोस्ती बढ़ गई है। अमरोहा से सांसद दानिश को मायावती ने टीएमसी की पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा के रिश्वत के बदले प्रश्न पूछने के मामले में उनका समर्थन करने के लिए निलंबित कर दिया था। दानिश का लगभग साफ है कि उनके लिए कांग्रेस पार्टी का दरवाजा खुला है। वह राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में भी शामिल हो चुके हैं। लेकिन अमरोहा में दानिश को टिकट देने को लेकर कलह भी शुरू हो गई है। जौनपुर के बसपा सांसद श्याम सिंह यादव ने भी कांग्रेस की यात्रा में शिरकत करके अपना इरादा साफ कर दिया है। वह मुलायम सिंह यादव के जन्मदिवस से जुड़े कार्यक्रमों में भी भाग ले चुके हैं। बसपा के लगातार कमजोर होने की वजह है हाल के चुनावों में बीससपी का लचर प्रदर्शन, जिसने पार्टी के भविष्य से जुड़ी चिंताओं को मजबूती दी है। यहां यह भी बताना जरूरी है कि 2019 के लोकसभा चुनाव में दस सीटें जीतने वाली बसपा को 2014 लोकसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं मिली थी। 2019 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोकदल के साथ गठबंधन में उसने 10 सीटें जीतीं, लेकिन नतीजे आने के ठीक बाद पार्टी ने गठबंधन तोड़ने की घोषणा कर दी।

टाईम पास

सुप्रीम कोर्ट की नजर में कानून की मर्यादा

नरसिम्हा राव मामले में कुछ सांसदों पर आरोप लगा था कि उन्होंने अविश्वास प्रस्ताव के दौरान के रिश्वत लेकर सत्तापक्ष के लिए मतदान किया। यह आरोप सीबीआइ जांच में सिद्ध भी हो गया था, मगर अदालत ने उसमें इसी तर्क से हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था कि सदन की कार्यवाही के दौरान सांसदों को सांविधानिक सुरक्षा प्राप्त होती है।

यह विचित्र है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कानून बनाने, उसके सफाए के लिए जंग का एलान करने वालों को खुद भ्रष्टाचार करने का एक तरह से हक हासिल था! अब सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि अगर कोई भी सांसद या विधायक रिश्वत लेकर सदन में सवाल पूछता या किसी पार्टी के पक्ष में मतदान करता है, तो उस पर भ्रष्टाचार का मामला बनता है। भ्रष्टाचार का मामला उस पर उसी समय बन जाता है, जब वह रिश्वत लेता है।

दरअसल, अभी तक ऐसा करने वाले विधायक और सांसद ऐसे आरोपों में कानूनी कार्रवाई से इसलिए बच कर निकल जाते रहे हैं कि संविधान के अनुच्छेद 105/194 में कहा गया है कि जनप्रतिनिधियों के सदन में कही गई किसी बात या किए गए किसी आचरण के खिलाफ अदालत में कार्रवाई नहीं हो सकती।

सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि यह अनुच्छेद पूरे सदन की सुरक्षा के मकसद से बनाया गया है, न कि किसी एक जनप्रतिनिधि की सुरक्षा के लिए। मामला दरअसल झारखंड मुक्ति मोर्चा की एक नेता से जुड़ा हुआ था, जिस पर आरोप था कि 2012 में उसने रिश्वत लेकर राज्यसभा चुनाव में दूसरे दल के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया था। इस मामले में नरसिम्हा राव बनाम भारत सरकार के मामले में आए फैसले की नजीर देते हुए आरोपी को बरी करने की गुहार लगाई गई थी। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने उस पुराने फैसले को भी अमान्य करार दे दिया।

नरसिम्हा राव मामले में कुछ सांसदों पर आरोप लगा था कि उन्होंने अविश्वास प्रस्ताव के दौरान के रिश्वत लेकर सत्तापक्ष के लिए मतदान किया।

यह आरोप सीबीआइ जांच में सिद्ध भी हो गया था, मगर अदालत ने उसमें इसी तर्क से हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था कि सदन की कार्यवाही के दौरान सांसदों को सांविधानिक सुरक्षा प्राप्त होती है। मगर सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले से एक नई नजीर बनी है।

पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह दलबदल कानून के भीतर से गली निकाल कर सरकारें गिराने और विधायकों के दूसरे दल की सरकार में शामिल हो जाने की घटनाएं बढ़ी हैं, रिश्वत लेकर राज्यसभा चुनाव में दूसरे दल के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान के मामले बढ़े हैं, उसमें सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला ऐतिहासिक माना जाएगा।

अभी उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में जिस तरह लाइन लांघ कर दूसरे दल के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने का मामला आया, उसमें भी विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोप लग रहे हैं। संबंधित विधायकों के दलों ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई तो की है, मगर इससे लोकतांत्रिक मूल्यों की शुचिता का भरोसा पैदा नहीं होता।

सांसद और विधायक आम लोगों के प्रतिनिधि होते हैं और जब वे रिश्वत लेकर सवाल पूछते या किसी दूसरे दल के समर्थन में उतर आते हैं, तो उससे वे सारे मतदाता छले जाते हैं, जिन्होंने बहुमत देकर उन्हें सदन में भेजा होता है।

महाराष्ट्र, गोवा, बिहार और इससे पहले कर्नाटक, मध्यप्रदेश में चुनी हुई सरकारों को गिरा दिया गया और वहां अल्पमत दलों की सरकारें बन गईं। इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया को गहरी चोट पहुंची।

काकुरो पहेली - 3115

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो - 3114 का हल

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी (प्रेमिका से)- मुझे समझ में नहीं आता कि भगवान ने तुम्हें इतना सुंदर बनाने के साथ-साथ इतना मूर्ख क्यों बनाया?

प्रेमिका- ताकि हम दोनों का मिलन हो सके।

प्रेमी- वह कैसे?

प्रेमिका- मैं सुंदर थी इसलिए तुम आकर्षित हुए और मैं मूर्ख थी इसलिए तुम्हे पसंद किया...! समझे।

□ □ □

प्रेमी अपने साथ पढ़ रही प्रेमिका से- प्रिये! देखों मैं धोखा खा गया।

प्रेमिका- कैसे, कब और हुआ क्या?

प्रेमी- मैंने तुम्हें मोबाइल दिलाने के लिए घर वालों से झूठ बोलकर किताबों के नाम से पैसे मँगाए थे। उन्होंने किताबें ही भेज दीं।

□ □ □

प्रेमी (प्रेमिका से)- अभी यहाँ तुम्हारे पास आते समय रास्ते में कहीं मेरी कलम कहीं खो गई।

प्रेमिका- मेरी तो आज तक कभी कोई चीज नहीं खोई।

प्रेमी- क्यों झूठ बोल रही हो? प्रेम दिवस के दिन ही तो तुम कह रही थी कि मेरा दिल न जाने कहाँ खो गया है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3115

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले ओ' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है रेहमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरूदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, नतान्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफजाब, विवेक, रितेश, लारा, अमृताराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. नसीर, शाहरूख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का जहाँ हो छोटा सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, राजीव कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सगरे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चाँदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3114

सूडोकु -3115

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3114 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

शब्द पहेली - 3115

बाएँ से दाएँ

1.बादलों की गड़गड़ाहट-4
3.नीरस, रस विहीन-4
8.नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10.कंठस्थ करना-3
11.जुड़वा-3
13.उक्ति,काव्य कृति-3
15.आने वाला दिन-2
17.पर,पराया,दूसरा-2
18.हाथ-2
19.कविता लिखने वाल-2
21.बजाने वाला-3
25.कक्ष,रूम-3
26.ठिकाना,नीड़-3
27.हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30.अभिप्राय-4
31.आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2.तरुणाई,लड़कपन-3
4.सहायता,आधार-3
5.बीताना,यापन करना-4
6.दिखावा,पाखंड-4
7.जरुरत,स्वार्थ-3
8.राजी करना-3
9.योग्य-3
12.मसलना-3
13.इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14.सुगंध,लास-3
16.रोकड़ राशि-3
20.रुकना, स्थिर होना-3
22.विजय दशमी -4
23.भोर,सवेरा-3
24.सना हुआ,तर-4
25.छल,धोखा-3
28.अनुकृति-3
29.श्रंगार -3

शब्द पहेली -3114 का हल

जैतपुरा डिपो से बोड़ाकी तक मेट्रो के विस्तार को मिली मंजूरी

ग्रेटर नोएडा। नोएडा के सेक्टर 51 से ग्रेटर नोएडा के जैतपुरा डिपो तक चलने वाली मेट्रो अब बोड़ाकी तक दौड़ेगी। प्रदेश सरकार ने कैबिनेट बैठक में मेट्रो के विस्तार को मंजूरी दे दी है। इसकी डीपीआर भी तैयार हो गई है। करीब 2.6 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड ट्रैक पर दो स्टेशन होंगे। इस रूट के बनने से दादरी और बोड़ाकी के आसपास से नोएडा ग्रेनो के बीच सफर करने वाले लाखों यात्रियों को सहूलियत मिलेगी ग्रेटर नोएडा के बोड़ाकी में मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब का बननना है। यहां पर रेल, मेट्रो, अंतर्राज्यीय बस अड्डा और स्थानीय ट्रांसपोर्ट की सुविधाएं विकसित होगी।

नोएडा-ग्रेनो के बीच एक्वा लाइन मेट्रो का आखिरी स्टेशन जैतपुरा डिपो है। यहां से बोड़ाकी तक मेट्रो का विस्तार होना है। इसकी डीपीआर तैयार कर ली गई है। लेकिन हर बार बजट को लेकर मेट्रो कॉरिडोर का मामला अटक जाता था। अभी तक एक्वा मेट्रो सेक्टर-51 से ग्रेटर नोएडा जैतपुरा डिपो तक चलती है। मेट्रो के विस्तार को बढ़ाने के काफी समय से प्रयास जारी थे, अब प्रदेश सरकार ने मेट्रो कॉरिडोर के विस्तार मुहर लगा दी है। इससे दादरी, ग्रेनो व नोएडा से दिल्ली तक के लिए सीधी कनेक्टिविटी होगी। अभी दादरी के लोग अलग अलग साधनों से ग्रेनो व नोएडा जाते हैं, जबकि कुछ लोग

गाजियाबाद से घूमकर नोएडा जाते हैं। इससे लाखों यात्रियों को लाभ मिल सकेगा। अलीगढ़ से आने वाले लोग बोड़ाकी ट्रेन से उतरकर सीधे मेट्रो लेकर नोएडा और ग्रेनो जा सकेंगे।

शुरू में चार कोच की चलेगी मेट्रो

ग्रेटर नोएडा से बोड़ाकी तक पहले चार कोच की मेट्रो चलेगी। इससे परिचालन खर्च कम रहेगा। अधिकारियों के मुताबिक रूट पर यात्रियों की संख्या बढ़ने के बाद मेट्रो कोच की संख्या भी बढ़ा दी जाएगी। ग्रेटर नोएडा डिपो से बोड़ाकी तक मेट्रो शुरू होने से एनएमआरसी की आमदनी बढ़ जाएगी। इस रूट पर फिलहाल लोग परिवहन के अन्य साधनों का इस्तेमाल कर रहे हैं। मेट्रो शुरू होने के बाद लोग इसका सार्वजनिक परिवहन के अन्य साधानों के बजाए मेट्रो का इस्तेमाल कर सकेंगे।

सबसे ज्यादा इन गांवों को होगा फायदा

बोडाकी के आस-पास के गांव बोड़ाकी, कैटेहरा, चिटेहरा, दतावली और पल्ला गांव की जमीन पर मल्टीमॉडल टांसपोर्ट हब, मल्टी मॉडल लॉजेस्टिक हब, मल्टी मॉडल इंटीग्रेटिड इंडस्टियल टाउनशिप बसाई जा रही है। बोड़ाकी के आसपास सात गांवों की 478 हेक्टेयर जमीन पर यह परियोजनाएं उतारी जाएगी। इन दोनों परियोजनाओं को भारत सरकार की तरफ से मंजूरी मिल चुकी है। अब तक करीब 80 फीसदी जमीन प्राप्त हो गई है।

4 महीने से बंद है गोल्फ कोर्स का काम

पैसों की कमी, जमीन नहीं मिलना बनी वजह; प्रस्ताव लाकर अपने बजट से बनाएगा प्राधिकरण

नोएडा। सेक्टर-151ए में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स का काम बंद है। पैसों की कमी व पूरी जमीन नहीं मिल पाना इसकी बड़ी वजह है। अब नोएडा प्राधिकरण अपने स्तर से पैसे लगाकर इसका निर्माण पूरा कराएगा। इसके लिए योजना के मिनट्स को बोर्ड में लाया जाएगा। ये 18 होल का इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स बनाया जा रहा है।

नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे के पास नोएडा प्राधिकरण गोल्फ कोर्स बनवा रहा है। इसके निर्माण के समय नोएडा प्राधिकरण ने तय किया था कि इसकी सदस्यता से जो पैसा आएगा, उसी को निर्माण कार्य पर खर्च किया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण ने गोल्फ कोर्स के लिए सदस्यता अभियान की शुरुआत की।

पहले चरण में करीब साढ़े नौ सौ लोगों को इसका सदस्य बनाया गया। इनके जरिए प्राधिकरण को करीब 49 करोड़ रुपए प्राप्त हुआ। प्राधिकरण ने इसके निर्माण पर करीब 52 करोड़ रुपए खर्च कर दिए।

पैसा अधिक खर्च हो जाने पर प्राधिकरण ने निर्माण कंपनी को पैसा देना बंद कर दिया। इसकी वजह से नवंबर 2023 में इसका काम बंद हो गया। अधिकारियों का कहना है कि निर्माण कंपनी काम शुरू करने के लिए प्राधिकरण में जमा करीब 9 करोड़ के बिल का भुगतान करने की मांग कर रही है।

इसके अलावा कुछ किसानों ने भी जमीन नहीं दी है। ऐसे में परियोजना के पूरे हिस्से में जमीन की कमी भी रूकावट बनी हुई है। अब करीब चार महीने से इसका काम बंद पड़ा है।

जनवरी महीने में इसका काम शुरू करने के लिए अधिकारियों ने तीन डीजीएम की अध्यक्षता में एक समिति बनाई। तय किया गया कि सर्वे कर जरूरत के हिसाब से समिति निर्माण के लिए बजट जारी करवाएगी। लेकिन कुछ नहीं हुआ।

ऐसे में अब प्राधिकरण ने तय किया है कि गोल्फ कोर्स का बचा काम सदस्यता शुल्क के भरोसे न रहकर अपने बजट से कराया जाएगा। इससे संबंधित प्रस्ताव बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। अगले सप्ताह सोमवार-मंगलवार को नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक कराने की तैयारी है।

नोएडा में पति का मकान बना हत्या की वजह

पहले बेटे को ले गया गांव फिर नोएडा लौटा, डाटा केबल से गला घोंटकर कर दी पत्नी की हत्या

नोएडा। चोटपुर कॉलोनी स्थित घर में रविवार को बिस्तर पर मृत अवस्था में मिली महिला की हत्या की गई थी। उसका वायर से गला घोटा गया था। पुलिस ने डेटा केबिल बरामद कर लिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि हुई। अवैध संबंध का संदेह और चार मंजिला घर हत्या का कारण बताया जा रहा है। मृतका के भाई अनेकपाल की शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ हत्या की धारा में सेक्टर-63 थाने में केस दर्ज हुआ है। आरोपी पति की तलाश में पुलिस की दो टीमें कई ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। एसीपी दीक्षा सिंह ने बताया कि बदायूं के बिल्सी थाना क्षेत्र के रायपुर गांव की पूजा की शादी बदायूं के ही देवपाल से करीब 14 साल पहले हुई थी।

दोनों के दो लड़की और एक लड़का है। देवपाल ने चोटपुर कालोनी में चार मंजिला एक घर बना रखा है। पहली मंजिल पर पूजा पति से अलग रह रही थीं। अन्य तल पर किरायेदार रहते हैं। पिछले कुछ वर्षों से देवपाल और पूजा के बीच कई बातों को लेकर अनबन रहने लगी।

जिसके बाद देवपाल पत्नी और बेटे को नोएडा में छोड़कर दोनों बेटियों के साथ बदायूं में रहने लगा। कुछ दिन पहले वह बेटे को भी अपने साथ बदायूं ले गया।

औद्योगिक सेक्टर-10 के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू

ग्रेटर नोएडा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास बसाए जाने वाले औद्योगिक सेक्टर-10 के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। यहां म्याना, आकलपुर व मकसूदपुर गांव की 243 9602 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहित की जाएगी।

जिस पर लेदर, इलेक्ट्रिक व्हिकल, हैंडीक्राॅफ्ट और प्लास्टिक समेत पांच औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। इससे क्षेत्र में औद्योगिक विकास को गति मिलने के साथ रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। उम्मीद है कि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी कर अगले कुछ महीने में योजना लाई जाएगी।

दरअसल नोएडा एयरपोर्ट के चलते राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की कंपनियां यीडा सिटी में निवेश करने के लिए आगे आ रही हैं। चमड़ा निर्यात परिषद, अखिल भारतीय प्लास्टिक उद्योग संघ, हथकरघा हस्तशिल्प कल्याण संघ और इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कल्याण ट्रस्ट ने भी उद्योग स्थापित करने के लिए जमीन मांगी थी।

इसको देखते हुए ही यमुना प्राधिकरण ने एयरपोर्ट के पास औद्योगिक सेक्टर-10 को विकसित करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। इससे प्रभावित तीन गांवों आकलपुर, म्याना व मकसूदपुर का सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन कराने के बाद सोमवार को जमीन अधिग्रहण की धारा- 11 की अधिसूचना जारी कर दी गई। जमीन अधिग्रहण करने के बाद संबंधित उद्योगों की योजना लाई जाएगी। यह सेक्टर पूरी तरह से औद्योगिक होगा।

ग्रेटर नोएडा की एयरटेल कंपनी के वेयर हाउस में हादसा

लोहे की रेक गिरने से तीन लोग दबे, एक कर्मचारी की मौत

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में एयरटेल के वेयर हाउस में लोहे की रेक गिरने से एक बड़ा हादसा हो गया। इस दौरान रैक के नीचे तीन कर्मचारी दब गए। इसमें एक कर्मचारी की दबकर मौत हो गई है, जबकि दो लोग घायल हो गए।

दरअसल, सोमवार को ट्रक में लोड होकर कुछ दस्तावेज वेयर हाउस लाये गए थे। अछेजा गांव में स्तिथ गोदाम में बबलू, लवकुश और मनीष सहित 8 कर्मचारी काम कर रहे थे। यह उन दस्तावेज को गोदाम में रख रहे थे। इसी दौरान एक लोहे की रेक टूटकर तीनों लोगो के ऊपर गिर गई।

इसके बाद वेयर हाउस में अफरातफरी मच गई। तुरंत कर्मचारियों को गंभीर हालत में अन्य कर्मचारियों की मदद से बाहर निकाला

गया और आनन फानन में उन्हें अस्पताल पहुँचाया गया, जहां एक कर्मचारी को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दो मजदूर खतरे से बाहर है। सूचना पाकर मौके पर पुलिस भी पहुंच गई, वही पुलिस ने मृतक की पहचान मनीष निवासी खटाना गांव के रूप में की है।

लोहे की रेक एक के बाद एक गिरती चली गई..तीन दबे

पुलिस के आला अधिकारियों का कहना है कि ये वेअरहाउस एयरटेल कंपनी का है ,जिसमें ग्राहकों के दस्तावेज रखे जाते हैं। सोमवार को अचानक से लोहे की रेक एक के बाद एक गिरती चली गई, जिसमें वहां काम करने वाले तीन लोग दब गए, जिसमें एक की मौत हो गए।

वेअरहाउस इंचार्ज और एयरटेल कम्पनी के अधिकारियों से की जा रही बातचीत

सेंट्रल नोएडा के एडिशनल डीसीपी ह्रदेश कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में, इस घटना को लेकर वेअरहाउस इंचार्ज और एयरटेल कम्पनी के अधिकारियों से बातचीत की है। मृतक के परिजनों से बात कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

डाटा केबल से गला दबाकर पत्नी की हत्या

नोएडा। थाना सेक्टर 63 क्षेत्र की चोटपुर कालोनी में एक पति ने अपनी पत्नी की डाटा केबल से गला घोटकर हत्या कर दी। घटना 2 मार्च के रात की है। पुलिस को इसकी जानकारी 3 मार्च की सुबह हुई। बताया जा रहा है कि पति ने अवैध संबंध के शक में महिला को मौत के घाट उतारा है। पीएम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने पर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।

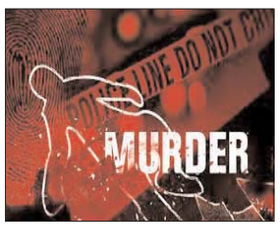

थाना प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि जिला बदायूं के बिल्सी थाना क्षेत्र के गांव रायपुर की पूजा का विवाह बदायूं के ही देव पाल से करीब 14 वर्ष पूर्व हुआ था। दोनों के तीन बच्चे हैं। दो लड़की और एक लड़का है। देवपाल ने चोटपुर कॉलोनी में तीन मंजिला एक घर बना रखा था। जिसमें भूतल और तीसरे तल पर किराएदार रहते हैं। प्रथम तल पर वह परिवार के साथ रहता है। दोनों पिछले कुछ वर्षों से अलग रह रहे थे। कुछ दिनों पहले वह पुत्र को अपने साथ बदायू ले गया।

पुलिस जांच में पता चला है कि देवपाल 2 मार्च को नोएडा पहुंचा था। इस दौरान किराएदार ने घर का दरवाजा खोला। पहली मंजिल पर कुछ देर पत्नी पूजा के पास रुकने के बाद बाद चला गया।

पूजा सेक्टर-69 स्थित एक कंपनी में काम करती थी। 3 मार्च की सुबह उसके साथ काम करने वाली दो महिलाएं घर पहुंची तो पूजा को बिस्तर अचेत पड़ा पाया। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। थाना प्रभारी ने बताया कि पीएम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हुई है। महिला की डाटा केबल से गला घोटकर हत्या की गई है।

घटनास्थल से डाटा केबल भी बरामद कर लिया है। मृतका के भाई अनेकपाल की शिकायत पर देवपाल के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

दो लाख लोगों की मलेरिया जांच होगी

नोएडा। जिले के दो लाख लोगों की मलेरिया की जांच होगी। सरकारी अस्पतालों में मलेरिया के लक्षण वाले मरीजों की जांच की जाएगी। मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत कई अन्य काम किए जाएंगे। जिले की जनसंख्या के 10 प्रतिशत लोगों की मलेरिया जांच होगी। सरकारी अस्पतालों में जांच के अलावा निजी अस्पतालों के मरीजों को भी इसमें शामिल किया जाएगा। मलेरिया के एक भी मरीज मिलने पर सभी पहलुओं के बारे में बताना होगा। 2011 की जनगणना के अनुसार जिले की जनसंख्या करीब 16.5 लाख थी, वर्तमान में 20 लाख की जनसंख्या के आधार पर मलेरिया की जांच शुरू होगी।

नौकरी से निकालना मालिक को पड़ा भारी, मालिक को बुरी तरह पीटा

ग्रेटर नोएडा। दनकौर थाना क्षेत्र के मंडपा गांव निवासी एक व्यक्ति को दो लोगों को नौकरी से निकालना भारी पड़ गया। दोनों ने मिलकर दुकान मालिक पर जानलेवा हमला कर दिया। इस दौरान पीड़ित की नाक की हड्डी टूट गई और शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोटें आई हैं। इस संबंध में पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है। मंडपा गांव के रहने वाले अरशद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह स्पेयर पार्ट्स बेचने का काम करते हैं। उनका कहना है कि गांव के ही दो लोग उनकी दुकान पर नौकरी करते थे। आरोप है कि काफी समय से दोनों उनकी दुकान से कीमती सामान चोरी करते आ रहे हैं। मामले की जानकारी होने पर दोनों को कुछ दिन पहले नौकरी से निकाल दिया गया था। आरोप है कि इसी बात से नाराज होकर दोनों ने अन्य तीन लोगों के साथ मिलकर 28 फरवरी को पीड़ित पर जानलेवा हमला कर दिया। घटना में पीड़ित की नाक की हड्डी टूट गई और शरीर के अन्य हिस्सों में भी चोटें आई हैं। घटना के बाद से ही पीड़ित का उपचार राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) में चल रहा था। सोमवार को पीड़ित ने पुलिस से शिकायत कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

युवक की हत्या में फरार आरोपी मुंबई से गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। ईकोटेक तीन कोतवाली पुलिस हत्या के एक आरोपी को मुंबई से गिरफ्तार कर लाई है। हत्या करने के बाद आरोपी मुंबई पहुंच गया था। वहां अपने रिश्तेदारों के साथ रहकर मजदूरी कर रहा था। पकड़े गए आरोपी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर कंपनी में साथ काम करने वाले युवक की हत्या की थी। पुलिस आरोपी के दोस्त को पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है। इकोटेक-तीन कोतवाली पुलिस के मुताबिक करीब तीन महीने पहले पुलिस को आम्रपाली मॉल के पीछे नाले की पुलिया के नीचे से बादल नाम के युवक का शव मिला था। बादल ग्रेनो वेस्ट के एक कंपनी में काम करता था। पुलिस ने 18 जनवरी को हत्या का खुलासा कर उसके साथ काम करने वाले सलमान को गिरफ्तार किया। सलमान ने पुलिस को बताया कि उसका कम्पनी में ही काम करने वाली किसी युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसकी सूचना बादल को हो गई थी। इसको लेकर वह सलमान को कंपनी में बदनाम करने लगा लगा था। इससे क्षुब्ध होकर सलमान ने अपने साथी आदिल के साथ मिलकर बादल की हत्या की घटना को अंजाम दिया।

रवि काना का खास महकी पहुंचा कोर्ट, किया आत्मसमर्पण

सामूहिक दुष्कर्म का आरोपी है महकी, 25 हजार का इनाम भी था घोषित

नोएडा। सामूहिक दुष्कर्म और गैंगस्टर एक्ट में वांटेड स्क्रैप माफिया रवि काना का खास महकी नगर ने मंगलवार को पुलिस को चकमा देते हुए सूरजपुर कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। फरार चल रहे महकी पर नोएडा पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था और उसे भगोड़ा भी घोषित किया था। स्क्रैप माफिया रवि काना, राजकुमार, महकी, आजाद व विकास के खिलाफ कोतवाली सेक्टर-39 में युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म व एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज है। युवती का आरोप है कि रवि काना व उसके साथियों ने नौकरी देने के बहाने उसे जीआईपी मॉल की पार्किंग में बुलाया था। वहां उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इस मामले में पुलिस ने राजकुमार, विकास व आजाद को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं मुख्य आरोपी स्क्रैप माफिया रवि काना व महकी फरार चल रहा था। दोनों के खिलाफ कोर्ट ने 11 जनवरी को गैर जमानती वारंट भी जारी किया था और 23 जनवरी को भगोड़ा घोषित करने की कार्रवाई की गई थी।

दो दिन पहले ही रवि काना व महकी पर 25-25 हजार का इनाम घोषित कर दिया गया था। इससे पहले कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद भी न्यायालय में उपस्थित नहीं होने पर एक और मुकदमा दर्ज किया गया था। मंगलवार को अचानक महकी पुलिस से बचते हुए अपने वकीलों के माध्यम से सूरजपुर कोर्ट पहुंचा और वहां आत्म समर्पण कर दिया। नोएडा जोन के डीसीपी विद्यासागर मिश्रा ने इसकी पुष्टि की है।

आत्मसमर्पण से पुलिस पर उठे सवाल

स्क्रैप माफिया रवि काना और उससे जुड़े मामले को नोएडा कमिश्नरेट पुलिस प्राथमिकता के आधार पर देख रही थी। इस पर कमिश्नरेट के बड़े पुलिस अधिकारियों की नजर थी लेकिन पुलिस के आंख में धूल झोंकते हुए महकी ने जिस तरह कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया उसे पुलिस पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस मामले की जांच में जुटी स्थानीय पुलिस को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं भी चल रही हैं।

शार्ट न्यूज

दो बाइक सवार को आवारा सांड ने मारी टक्कर एक की मौत, एक घायल

नोएडा। थाना सेक्टर 113 क्षेत्र के पर्थला गांव की सब्जी मंडी में एक आवारा सांड ने बाइक सवार 15 वर्षीय 2 नाबालिगों को टक्कर मार दी। घटना में एक नाबालिग की मौके पर ही मौत हो गई। जबिक दूसरे की हालत गंभीर बनी हुई है। बता दे की पुलिस के मुताबिक पर्थला गांव निवासी 15 वर्षीय कृष सोमवार को अपने एक साथी के साथ गांव की सब्जी मंडी से गुजर रहा था। तभी एक जूस की दुकान पर खड़े आवारा सांड ने बाइक सवार दोनों लड़कों टक्कर मार सड़क पर गिरा दिया। घटना में कृष का सिर सड़क पर जा लगा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबिक दूसरे लड़का गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। इसके बाद परिजनों ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने कृष के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद से कृष के घर में कोहराम मचा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

लॉकर से लाखों की ज्वेलरी गायब

नोएडा। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सेक्टर-18 ब्रांच के लॉकर से लाखों की ज्वेलरी गायब हो गई। सोमवार को महिला ने बैंक लॉकर चेक किया तो खुला नहीं। लॉकर तोड़ने पर खाली मिला। सेक्टर-100 स्थित लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी निवासी पारुल खरे की शिकायत पर कोतवाली सेक्टर-20 पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में पारुल ने कहा कि सेक्टर-18 स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ब्रांच में एक लॉकर लिया था। लॉकर में उन्होंने लाखों की ज्वेलरी रखी थी। करीब एक वर्ष बाद सोमवार को वह लॉकर चेक करने बैंक पहुंची। उनकी चाबी से लॉकर नहीं खुला। इसके बाद बैंक अधिकारी की मौजूदगी में लॉकर को तुड़वाया गया। तोड़ने पर लॉकर खाली मिला। उसमें रखी लाखों की ज्वेलरी गायब थी। कोतवाली सेक्टर-20 पुलिस बैंक कर्मियों की मिलीभगत की जांच का रही है।

गैंगस्टर की 17 करोड़ की संपत्ति कुर्क

गाजियाबाद। गाजियाबाद में भोले भाले लोगों को फर्जी जमीन दिखाकर पैसे ऐंठने वाले शातिर गिरोह के सरगना की संपत्ति गाजियाबाद पुलिस ने मंगलवार को कुर्क की। पुलिस के मुताबिक गैंगस्टर की 17 करोड़ की संपत्ति कुर्क की गई है। इस पर कुल 9 मुकदमे कायम हैं। इस गैंगस्टर ने अपने कई नाम रखे हुए थे। गाजियाबाद में डीसीपी रूरल विवेक यादव ने बताया अलग-अलग नाम से फर्जीवाड़ा कर कुख्यात भू माफिया की 17 करोड़ की संपत्ति को गैंगस्टर अधिनियम के तहत कुर्क किया गया है। भूमाफिया संजय चतुर्वेदी उर्फ लक्ष्य चतुर्वेदी उर्फ संजय उर्फ आरके शर्मा के नाम से जाना जाता है। पुलिस के मुताबिक इस पर कुल 9 मुकदमे कायम हैं। साथ ही इसका ग्रुप भोले भाले लोगों को फर्जी जमीन दिखाकर उनसे पैसे हड़प लिया करता था। पुलिस के मुताबिक थाना कोतवाली में दो और थाना मसूरी में एक इसकी संपत्ति मिलाकर कुल 17 करोड़ की है, जो कुर्क की जा रही है।

युवा व्यापारी को गोली मारने में नया खुलासा

गाजियाबाद। गाजियाबाद में दिल्ली-यूपी बॉर्डर पर कार एसेसरीज शोरूम के मालिक को गोली मारने में परिवार जनों ने सनसनीखेज आरोप लगाया है। परिवार के मुताबिक कुछ दिन पहले खत्म हुए नगर निगम चुनाव में एक प्रत्याशी को सपोर्ट न करने पर यह हमला हुआ है। परिजनों का आरोप है कि इससे पहले भी आरोपी घर पर हमला कर चुके हैं। व्यापारी की हालत अस्पताल में गंभीर बनी हुई है जिसको चार गोली लगी है। वहीं अब तक आरोपियों का आता-पता नहीं है। गाजियाबाद में सोमवार देर रात थाना कौशांबी क्षेत्र में कार एसेसरीज शोरूम के मालिक अंकित को दबंगों ने चार गोली मार दी। अंकित के चाचा प्रवीण ने बताया की अंकित रोजाना की तरह ही अपने शोरूम को बंद करके घर की तरफ जा रहा था। इस दौरान ईडीएम मॉल के पास बने अंगीठी कैफे पर दबंगों ने अंकित को रोक उसकी कार का शीशा नीचे कराया और ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

साहिबाबाद में नौकरानी ने फंदा लगाकर दी जान

साहिबाबाद। इंदिरापुरम के मकनपुर में व्यापारी के घर में घरेलू सहायिका 17 वर्षीय मोहिनी (फुल टाइम मेड कम केयर टेकर) ने सोमवार शाम को पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वारदात के समय व्यापारी दंपती विजयनगर अपनी दुकान पर गए हुए थे। घर पर तीन बच्चे थे। पड़ोसी ने व्यापारी को शाम छह बजे घटना की जानकारी दी। घर पहुंचने पर व्यापारी की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को घटना स्थल के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। मोहिनी मूल रूप से एटा की रहने वाली थीं। वर्तमान में मकनपुर में ही परिवार के साथ किराये के मकान में रह रही थी। उधर, टीला मोड़ थाना क्षेत्र में 21 वर्षीय कैफ पुत्र हनीफ निवासी मोहल्ला तीरगारान फरुखनगर ने सोमवार रात आत्महत्या कर ली। मौत का कारण कैफ का खुद को गोली मारना आया है। कैफ शादी समारोह में डेकोरेशन का काम करता था।

प्रॉपर्टी डीलर की हत्या में तीन दोषी करार

गाजियाबाद। लोनी में प्रॉपर्टी डीलर चेतराम उर्फ चेतन की हत्या के 17 साल बाद अदालत ने आकिल निवासी गुलावठी बुलंदशहर, आकिल निवासी गांव परतापुर, बुलंदशहर और संजय निवासी बागडोली, बागपत को दोषी करार दिया है। जबकि चौथे आरोपी विक्रम को साक्ष्य के अभाव में अदालत ने दोष मुक्त कर दिया है। सजा के प्रश्न पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पवन कुमार शर्मा की अदालत मंगलवार को सुनवाई होगी। आरोपियों को दोषी करार देने में चेतन के भाई राजकुमार और पड़ोसी धर्मेंद्र के बयान अहम रहे। जिला शासकीय अधिवक्ता राजेश चंद्र शर्मा व सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता आदेश त्यागी ने बताया लोनी निवासी राजकुमार ने 28 मार्च 2007 को लोनी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। राजकुमार ने पुलिस को बताया था कि सादुल्लाबाद में उनका प्रॉपर्टी डीलिंग का कार्यालय है। 28 मार्च 2007 की शाम सात बजे बुलंदशहर के गांव परतापुर निवासी आकिल व गुलावठी निवासी आकिल और बागपत के बागडोली निवासी संजय और लोनी निवासी विक्रम उनके कार्यालय पर पहुंचकर छोटे भाई चेतन भाटी उर्फ चेतराम के बारे में पूछा।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर वृद्धा की मौत

मोदीनगर। निवाड़ी के सारा गांव में पड़ोसी की छत से गई हाईटेंशन लाइन के चपेट में आने से 60 वर्षीय वृद्धा की मौत हो गई। सोमवार शाम ग्रामीणों ने वृद्धा का शव रखकर एचटी लाइन हटवाने और मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया, मगर वह अपनी मांगों पर अड़े रहे। बाद में ऊर्जा निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और कार्रवाई का आश्वासन देकर भीड़ को शांत कराया। गांव सारा निवासी बाबू खां श्रमिक है। उनकी पत्नी सितारा भी घरों में काम करती थी। बताया गया कि कॉलोनी में हाईटेंशन लाइन घरों के ऊपर से गुजर रही है। सितारा रविवार शाम किसी काम के लिए पडोसी अरशद की छत पर गई थी। इसी दौरान सितारा हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गई। करंट लगने से सितार छत से नीचे गिर गई। सितारा को मोदीनगर के जीवन अस्पताल में ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा किया।

छह झोलाछाप चिकित्सकों पर मुकदमा दर्ज

साहिबाबाद। स्वास्थ्य विभाग ने बिना डिग्री दांत, बुखार, खांसी, जुखाम जैसी कई बीमारियों का इलाज कर नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले छह झोलाछाप पर टीलामोड़ थाने में मुकदमा कराया है। डिप्टी सीएमओ और स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी क्रैक्स डॉ.पंकज ने सभी आरोपियों को धोखाधड़ी और इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट 1956 की धारा में नामजद कराया है। आरोपी तय समय में डिग्री नहीं दिखा पाए थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। नोडल अधिकारी ने बताया कि 4 जनवरी 2024 को स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ टीलामोड़ थाना क्षेत्र के गगन विहार, भोपुरा, गरिमा गार्डन और अन्य इलाकों में औचक निरीक्षण किया था आरोपियों के पास चिकित्सक संबंधी डिग्री व पंजीकरण जांचने के लिए कागजात मांगे तो काफी देर तक सभी इधर-उधर की बात कर टीम को बहकाने का प्रयास करते रहे लेकिन सख्ती बरतने पर कोई भी मौके पर कागजात नहीं दिखा पाया।

फ्लैट में बिरहा गायिका आंचल राघवानी का शव मिला

पति और सहेली पर हत्या का आरोप, पुलिस हिरासत में दोनों से पूछताछ जारी

वाराणसी। वाराणसी के शिवपुर थाना क्षेत्र के तरना स्थित एक अपार्टमेंट के फ्लैट में बिरहा गायिका आंचल राघवानी का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। फ्लैट में आंचल अकेली थी और सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। मृतका के भाई विकास ने उसके पति और एक महिला पर हत्या का आरोप लगाया है। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर दोनों से पूछताछ शुरू कर दी है।

शहर के ढेलवरिया (जैतपुरा) इलाके में परिवार के साथ रहने वाली बिरहा

गायिका आंचल दो माह से तरना क्षेत्र में स्थित एक फ्लैट में पति दीपक समेत कुछ अन्य लोगों के साथ रह रही थी। मंगलवार सुबह उन्हें फोन आया कि आंचल पटेल उर्फ आंचल राघवानी (22) की मौत हो गई है। इसके बाद परिजन आनन फानन में फ्लैट पर पहुंचे तो आंचल का शव मिला। भाई विकास ने पुलिस को मामले की जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

आंचल के भाई विकास ने बताया कि दीपक के साथ आंचल ने तीन साल पहले शादी की थी। आंचल कुछ माह से दीपक के तरना स्थित फ्लैट में रह रही थी। जिस फ्लैट में आंचल रहती थी वहां बाहरी लोगों का भी आना-जाना रहता था। बताया कि दीपक उसे प्रताड़ित भी करता था।

आंचल के भाई विकास ने उसे जहर देकर मारने का आरोप लगाया है। विकास ने आंचल के पति समेत एक महिला के खिलाफ शिवपुर थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने आंचल के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शिवपुर एसओ ने बताया कि इस मामले में आंचल के पति समेत महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गोण्डा में प्राचार्य की हत्या से आक्रोशित छात्र सड़क पर

गोण्डा। उत्तर प्रदेश में गोण्डा जिले के छपिया क्षेत्र में प्राचार्य की हत्या के विरोध में मंगलवार को सी डी यादव इंटर कॉलेज के सैकड़ों छात्रों ने शव सड़क पर रख कर प्रदर्शन किया और मुख्य हत्यारोपी की गिरफ्तारी की मांग की।

पुलिस के अनुसार प्रदर्शनकारी छात्र-छात्राओं को आला अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर समझाने का प्रयास किया जा रहा है। दरअसल, रविवार की देर रात चंदारती गांव में अपने मामा के यहां मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद दुकान के बाहर सोते समय सी डी यादव इंटर कॉलेज के प्राचार्य दिनेश यादव की रैंबो गैंग के दो बदमाशों ने सिर पर गोली मारकर हत्या कर दी थी। कॉलेज के छात्राओं के अनुसार,मृतक दिनेश आरोपियों को छात्राओं संग अश्लील कमेंट्स व हरकतों का विरोध करते थे। इस सिलसिले में उन्होंने आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी की थी जिसपर थाने की पुलिस ने मामूली धाराओं में कार्यवाही कर मामले को शांत करा दिया था।

लखनऊ में ट्रक की टक्कर से कांवड़िया की मौत

लखनऊ। लखनऊ के बीबीडी थाना क्षेत्र में डंफर की टक्कर से एक कांवड़िया की मौत हो गई। वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने दोनों घायलों को लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। दूसरी तरफ थाना पुलिस मृतक के साथी की तरफ से एफआईआर दर्ज कर डंफर नंबर के आधार पर उसकी तलाश कर रही है।

बीबीडी इंस्पेक्टर ने बताया कि मंगलवार सुबह कांवड़ियों का एक जत्था कानपुर से बाराबंकी जा रहा था।

तिवारीगंज ओमेगा ग्रीन सिटी के सामने एक अनियंत्रित तेज रफ्तार डंफर की चपेट में आने से कानपुर बिल्हौर के कुंदौरा निवासी नरेश कटियार के बेटे नितिन उर्फ वीरू (24) की मौके पर मौत हो गई। वहीं, उसके साथी स्वनिल उर्फ वीरू (23) और सानू कश्यप (22) गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को गंभीर हालत में लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया है।

लखनऊ मेट्रो के फेज-1बी का होगा शुभारंभ

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार ने लखनऊ मेट्रो के फेज-1बी ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दिखा दी है। इसके तहत चारबाग से वसंतकुंज तक कुल 11.865 किमी. मेट्रो संचालित की जाएगी। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि इसके माध्यम से योगी सरकार लखनऊ में आवागमन को और सुगम व सुविधाजनक बनाएगी। इस पर लगभग 5801 करोड़ रुपए की लागत आएगी, जबकि इसको 30 जून 2027 तक इसको पूर्ण किए जाने की अवधि निर्धारित की गई है।

एफबी पर दो पन्नों को सुसाइड नोट डाल लगाई फांसी

इटावा। इटावा में एक युवक ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। इससे पहले उसने दो पन्नों का सुसाइड नोट फेसबुक पर पोस्ट किया। इस सुसाइड नोट में उसने सीएम योगी आदित्यनाथ से न्याय की गुहार लगाई है। इसके साथ ही युवक ने लिखा, मेरे-मम्मी पापा बहुत भोले हैं।

मेरी बेटी का ऑपरेशन करवा दिया जाए। अब मेरे परिवार की सुरक्षा महाराज जी के हाथ में है।

पूरा मामला थाना कोतवाली क्षेत्र के लालपुरा गांव का है। यहां 30 साल के अमित राठौर पुत्र जनमेश राठौर ने सुसाइड किया है। उसकी मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

परिजनों ने घरेलू प्रोडेक्ट के एजेंसी संचालक और सह संचालक पर आरोप लगाया है।

मोबाइल से बनाया वीडियो, पोस्ट में करीबियों को टैग किया

अमित ने सुसाइड करने से पहले अपने फेसबुक एकाउंट पर दो सुसाइड नोट पोस्ट किए। इस पोस्ट पर उसने अपने सभी करीबी साथियों को टैग किया। इसके साथ ही उसने अपने मोबाइल फोन पर एक वीडियो भी बनाया। इस वीडियो में वह रोता-बिलखता दिखाई दे रहा है।

इसके बाद उसने उसी कमरे में फंदा बनाकर सुसाइड कर लिया, जिस कमरे में बैठकर अमित ने वीडियो बनाया था।

आनन-फानन में कमरा तोड़कर अंदर पहुंचे परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। लेकिन यहां चेकअप के बाद डॉक्टरों ने अमित को मृत घोषित कर दिया। अमित के पास से दो सुसाइड नोट भी बरामद किए गए हैं।

यमुना नदी के तेज बहाव में बुग्गी सवार दंपती डूबा

रेस्क्यू के बाद गोताखोरों ने बचाई जान, नदी को पार कर खेती करने जाते हैं लोग

बागपत। बागपत में भैंसा बुग्गी से यमुना नदी पार कर रहा किसान दंपती यमुना में डूबा गया। अचानक आए तेज पानी के बहाव में दंपती डूबने लगा तो चीख पुकार सुनकर आए गोताखोरों ने रेस्क्यू कर पति पत्नी को बाहर निकाला। हादसे में भैंसे की मौत हो गई। पहाड़ों में हो रही मूसलाधार वर्षा के कारण यमुना का जलस्तर अचानक बढ़ गया। यमुना पार खेती करने जा रहे भैंसा बुग्गी पर सवार एक दंपती यमुना में डूब गया।

दंपति की चीख पुकार सुनकर घटनास्थल पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। गोताखोरों ने घंटों मशक्कत करने के बाद दंपती को सकुशल बाहर निकाल लिया है। हालांकि तेज बहाव के कारण भैंसे की मौत हो गई। यमुना पार बागपत के किसान की जमीन है, जहां वे सब्जियों और फलों की खेती करते हैं। इससे पहले भी इस तरह के कई बड़े हादसे हो चुके हैं। यमुना में खनन के कारण गहरे गड्ढे बने हुए हैं, लेकिन पूर्व में हुए हादसों को लोग ध्यान में ना रख कर जान जोखिम में डालकर बीच से यमुना नदी को पार करते हैं। बागपत के इदरीशपुर कॉलोनी निवासी रामपाल अपनी पत्नी रामकली के साथ भैंसा बुग्गी पर सवार होकर यमुना नदी पार कर रहा था, लेकिन अचानक यमुना नदी में तेज पानी आने के कारण दंपती यमुना में डूब गया। दोनों की चीख पुकार सुनकर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। गोताखोरों ने घंटो रेस्कयू कर दंपती को सकुशल बाहर निकाल लिया।

मिर्जापुर में पकड़ी गई 23 करोड़ की अफीम

मिर्जापुर। जनपद पुलिस ने पहली बार भारी मात्रा में मादक पदार्थ अफीम बरामद किया गया है। बरामद 22 किलो 365 ग्राम अफीम की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 23 करोड़ रुपये आंकी गई है। मध्य प्रदेश के इंदौर निवासी हेमंत धनुक नामक युवक को गिरफ्तार किया गया है। अफीम को झारखंड से कार में छुपा कर मध्य प्रदेश ले जाया जा रहा था। एसपी अभिनंदन ने बताया कि देहात कोतवाली क्षेत्र के बरकछा में एसओजी, सर्विलांस व देहात कोतवाली पुलिस ने संयुक्त रूप से घेराबंदी कर मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। तस्कर रेनॉल्ट फ्यूलवेस कार के अन्दर खुफिया जगह बनाकर उसमें अफीम छुपा कर तस्करी के लिए ले जा रहा था । पकड़ा गया युवक मध्य प्रदेश के इंदौर का रहने वाला है। यह झारखंड से अफीम लेकर मध्य प्रदेश के रतलाम और आसपास के क्षेत्र में सप्लाई का काम करता है । उन्होंने बताया कि कई वर्षों से वह इस कार्य को अंजाम दे रहा था। परंतु पुलिस के पकड़ में नहीं आ रहा था ।

एटा में किसान का शव खंभे से लटका मिला

एटा। उत्तर प्रदेश में एटा जिले के निधौली कला क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक किसान का शव ट्रांसफार्मर के खंभे से लटका मिलने से सनसनी फैल गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र के नगला बीज गांव में ट्यूबवेल के बिजली के ट्रांसफार्मर के खम्भे से किसान जमुनादास लोधी (55) का शव आज सुबह लटका मिला। मृतक की पत्नी केला देवी ने थाना निधौली कला में दी तहरीर में छह लोगों पर हत्या कर शव को लटकाने का आरोप लगाया है। आरोप है कि दो दिन पूर्व ही नगला बीज गांव के पड़ोसी गांव भूर गड्ढा के दबंग रनवीर सिंह ने आलू के खेत में बम्बे का पानी काट देने और आलू की फसल को नष्ट कर देने का आरोप लगाकर जमुनादास को जबरन उठाकर अपने गॉव भूर गड्ढा ले जाकर मारपीट की थी। वो मृतक पर उसके खेत में बम्बा का पानी काटकर उसके खेत के आलू नष्ट होने का आरोप लगाकर आलू के नुकसान का चार लाख रुपये का हर्जाना मांग रहा था। तहरीर के मुताविक रनवीर सिंह जमुनादास को जबरन मोटर साइकिल पर बैठाकर दो मार्च को अपने गांव भूर गड्ढा ले गया था और वहां उसकी जमकर मारपीट की थी। उसके बाद रनवीर ने पुन: जुनदास को अपने गांव भूर गड्ढा ले जाकर जबरन पंचायत में जमुनादास लोधी से हर्जाने के रूप में तीन लाख रुपये देने की हामी भरवा ली थी। घटना की सूचना पर निधौली कला थाना अध्यक्ष क्षत्रपाल सिंह मय पुलिस फ़ोर्स के घटना स्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू की। बिजली के खम्भे से शव को उतरवाकर पोस्ट मार्टम के लिए भेजा गया है। केला देवी ने निधौली कला थाना में गंगा सिंह, रनवीर, मोहर सिंह,अभयपाल, सत्यप्रकाश, शंकर पर जमुनादास की हत्या कर शव को बिजली के ट्रांसफार्मर के खम्भे से लटकाने का आरोप लगाया है।

युवक ने एसपी ऑफिस में किया आत्मदाह का प्रयास

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर मंगलवार को एक युवक ने आत्मदाह का प्रयास किया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि एक युवक ने मंगलवार को एसपी ऑफिस में खुद को पेट्रोल डालकर कथित रूप से आग लगा ली। आग लगाने के बाद पीड़ित काफी देर तक आग की लपटों में घिरा रहा। मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने पीड़ित पर कंबल डाल कर युवक को बचाकर मेडिकल कालेज में भर्ती कराया है।

थाना कांट कस्बे में रहने वाला ताहिर अली आज दोपहर पुलिस अधीक्षक कार्यालय आया और उसने अपने ऊपर कोई तरल पदार्थ डालकर आग लगा ली, इसके बाद आनन फानन में पुलिस कर्मियों ने आग को बुझा लिया। इस घटना में पीड़ित के पैर

झुलस गए हैं। पीड़ित का एक व्यक्ति उमेश तिवारी से दो छोटी माल बाहक गाड़ियों के बिक्री के बाद लेन देन का विवाद है। पीड़ित ताहिर अली (45) ने बताया कि उसकी दो छोटी पिकअप माल बाहक गाड़ियां उमेश तिवारी नामक व्यक्ति ने छीन ली है तथा उमेश तिवारी ने कुछ पैसा हमें ढाई साल में दिया है वह हमारी गाड़ियां वापस नहीं कर रहा है। उसने इस संबंध में पुलिस से शिकायत की है। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने मंगलवार को यूनीवार्ता से बताया कि ताहिर अली ने उन्हें पिछले माह अपनी शिकायत दी थी।

जिसके बाद शिकायत की जांच कराई गई तो यह पाया गया कि आरोपी ने पीड़ित की दो छोटी लोडर गाड़ियां ली थी जिनका पैसा भी उसने पीड़ित को दे दिया था जिसका प्रमाण भी उसने जांच अधिकारी को दिए थे। उन्होंने बताया कि इसके बाद दूसरे वाहन में भी यही मामला प्रकाश में आया था तथा दोनों पक्ष की ओर से थाना कांट में एक दूसरे के विरुद्ध मुकदमा भी दर्ज कराएं गये थे जिसमें जांच के उपरांत एक मामला खत्म कर दिया गया जबकि दूसरे मामले में जांच की जा रही है। मीणा ने बताया कि क्योंकि वाहन पीड़ित के नाम थे जिनका ट्रांसफर उमेश तिवारी ने नहीं करा पाया था जिसके चलते पीड़ित की नियत बदल गई और पीड़ित को किसी ने पुलिस कार्यालय में आज घटित घटना कारित करने की सलाह दे दी। उन्होंने कहा कि हम पूरे मामले को देख रहे हैं पूरे मामले के लिए एक अधिकारी के नेतृत्व में टीम बना दी गई इस मामले में जो भी दोषी होगा उसे किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

डीआईजी ने अवैध शराब कारोबार में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध गुण्डा, गैगेस्टर की कठोर कार्यवाही के दिए निर्देश

ललितपुर। झांसी, आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन प्रहार के तहत रेंज पुलिस द्वारा की जा रही प्रभावी कार्यवाही। दो माह में रेन्ज पुलिस द्वारा 735 अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुये 23728.5 लीटर अवैध शराब व शराब बनाने के 70 उपकरण (भट्टी) को किया गया बरामद। पुलिस उपमहानिरीक्षक झाँसी परिक्षेत्र झाँसी कलानिधि नैथानी महोदय द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध विशेष अभियान ऑपरेशन प्रहार चलाया जा रहा है जिसके क्रम में झाँसी परिक्षेत्र के

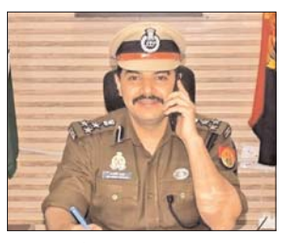

जनपद झाँसी, जालौन व ललितपुर पुलिस द्वारा विगत 02 माह में अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री/परिवहन में संलिप्त 735 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया जिनके कब्जे से 23709 लीटर अवैध कच्ची शराब, 19.5 ली0 अवैध अंग्रजी शराब, कुल 23728.5 लीटर अवैध शराब बरामद की गयी है तथा शराब निर्माण में प्रयुक्त 70 उपकरण (भट्टियों) को भी बरामद किया गया है। बरामद अवैध शराब की अनुमानित कीमत लगभग 61,71,950 रूपये है । अभियुक्तों के विरूद्ध सुसंगत धाराओं के तहत 720 अभियोग पंजीकृत करते हुये वैधानिक कार्यवाही की गयी है तथा 03 अभियुक्तों के विरूद्ध गैगस्टर अधिनियम के तहत भी कार्यवाही की गयी है ।

गिरफ्तारी व बरामदगी का जनपदवार विवरण जनपद झाँसी पुलिस द्वारा 370 अभियक्तों को गिरफ्तार कर 10228 लीटर अवैध कच्ची शराब व शराब बनाने के उपकरण (भट्टी) 38 बरामद की गयी है। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 26,59,280 रू0 है । जनपद जालौन पुलिस द्वारा 171 अभियक्तों को गिरफ्तार कर 5474 लीटर अवैध कच्ची शराब/अवैध अंग्रेजी शराब व शराब बनाने के उपकरण (भट्टी) 10 बरामद की गयी है। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 14,26,515 रू0 है । जनपद ललितपुर पुलिस द्वारा 194 अभियक्तों को गिरफ्तार कर 8026.5 लीटर अवैध कच्ची शराब/अवैध अंग्रेजी शराब व शराब बनाने के उपकरण (भट्टी) 22 बरामद की गयी है। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 20,86,155 रू0 है ।

आयुक्त लखनऊ मण्डल ने किया सीतापुर का दौरा

सीतापुर। आयुक्त, लखनऊ मण्डल लखनऊ डा0 रोशन जैकब द्वारा कृषक रियाज अहमद निवासी ग्राम कमलापुर वि0ख0-कसमण्डा, सीतापुर द्वारा 0.5हे0 में अमरूद बाग प्रजाति थाईपिंक (300 पौधों) का निरीक्षण उप निदेशक उद्यान, लखनऊ-मण्डल तथा जिला उद्यान अधिकारी, सीतापुर के साथ किया गया। संबंधित कृषक द्वारा जानकारी दी गयी कि वर्ष 2022-23 में उद्यान विभाग से टपक सिंचाई (ड्रिप इरीगेशन) संयंत्र की स्थापना पर रू0 36000/- का अनुदान प्राप्त किया। टपक सिंचाई पद्धति की स्थापना से कम उर्वरक व पानी के प्रयोग से ही अमरूद की अच्छी बाग तैयार करने में सफलता प्राप्त हुई, जिससे उसको विगत वर्षों की अपेक्षा कम लागत पर दोगुनी आय प्राप्त हो रही है। ड्रिप सिंचाई पद्धति की स्थापना से अच्छी फलत प्राप्त होने लगी है। वर्तमान में अमरूद के एक पेड़ से लगभग 50-60 कि0ग्रा0 फलत की दर से कुल 15000-18000 कि0ग्रा0 फल प्राप्त हो रहा है, जिसकी बिक्री खेत से ही रू0 40/- प्रति कि0ग्रा0 की दर से हो रही है।

बदायूं में अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

बदायूं। बदायूं में अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक की मौत हो गई। युवक का नाम सूरज था और वह इंटरमीडिएट की परीक्षा दे रहा था। रात के वक्त अपना टेंट का कारोबार होने के नाते शादी समारोह में टैंट की व्यवस्थाएं देखकर लौट रहा था, लेकिन रास्ते में हुए हादसे में उसकी जान चली गई। इस्लामनगर थाना क्षेत्र के कुंदावली गांव के रहने वाले रामदर्शन का बेटा सूरज (18) इंटरमीडिएट का छात्र था। वह पास के कस्बा रुदायन में स्थित श्री दुर्गा देवी इंटर कॉलेज में पढ़ाई कर रहा था। सोमवार को भी वह अपना पेपर देकर आया था। बताया जाता है कि रामदर्शन का टेंट का कारोबार है और सूरज ही इस कारोबार को देखता था। सोमवार रात उसकी चरसोरा व सिठौली गांवों में टेंट की बुकिंग थी। दिन में ही सारा सामान समारोहों के लिए भेजा जा चुका था, लेकिन रात के वक्त वह व्यवस्थाओं का जायजा लेने चरसोरा गांव में बुकिंग टेंट देखने गया था। जबकि इसके बाद दूसरी जगह टेंट देखने जा रहा था, लेकिन रास्ते में चिड़ियाखेड़ा मंदिर के पास अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी।

मण्डलायुक्त ने सुनी जन शिकायतें,सम्बंधित को दिये निस्तारण के निर्देश

विशाल इंडिया/पुनीत मिश्रा

सीतापुर। जन शिकायतों का निस्तारण शासन की प्राथमिकता में शामिल है, मंगलवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयुक्त, लखनऊ मण्डल लखनऊ डा0 रोशन जैकब ने कलक्ट्रेट सभागार में शिकायतों की सुनवाई की। आयुक्त द्वारा सुनवाई की सूचना मिलने पर भारी संख्या में शिकायतकर्ता उपस्थित हुये तथा सभी शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को

एक-एक करके सुना गया। आयुक्त, लखनऊ मण्डल लखनऊ डा0 रोशन जैकब ने बताया मुख्यमंत्री की प्राथमिकता में है, जनशिकायतों का निस्तारण शिकायतकर्ताओं के संबधित जनपद में ही किया जाए, लोगों को अपनी शिकायतों के निस्तारण के लिए बेवजह लखनऊ तक की दौड़ न लगानी पड़े, यह सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि इसलिए मंडलीय जनता दर्शन को विकेंद्रीकृत कर जनपद स्तर पर किया जा रहा है तथा आप लोगों की शिकायतों को सुनने व निस्तारित करने के लिए यहां उपस्थित हुयी हूं। उन्होंने कहा कि कोशिश रहेगी दर्ज की गई शिकायतों का एक सप्ताह के अंदर निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। हर स्तर पर सुनवाई बेहतर हो, इसके लिये हर सम्भव प्रयास किया जायेगा।

शार्ट न्यूज

700 ग्राम गांजा सहित एक तस्कर गिरफ्तार

ललितपुर। मदनपुर पुलिस ने एक गांजा तस्कर को पकड़ा पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी मड़ावरा राजेश कुमार श्रीवास्तव के निकट पर्यवेक्षण में अवैध मादक पदार्थों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मदनपुर पुलिस द्वारा एक नफर अभियुक्त विजय सिंह पुत्र कल्यान सिंह उम्र 48 वर्ष निवासी ग्राम पहाडीकला थाना मदनपुर को 700 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया । बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के विरूद्ध थाना मदनपुर पर मु0अ0सं0 10/2024 धारा 8/20 NDPS Act पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तार करने वाली टीम थानाध्यक्ष अजीत सिंह उ0नि0 वेदप्रकाश सिंह कां0 अंकुल सिंह कां0 राहुल कुमार आदि शामिल रहे।

दो शातिर वाहन चोरो को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में जनपद में अपराध रोकथाम,घटनाओ के सफल अनावरण ,वांछित/वारंटी अभियुक्त की गिरफ्तारी अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी सदर श्री अभय नारायण राय के पर्यवेक्षण मे थाना कोतवाली पुलिस द्वारा अभियुक्त मेघराज राजपूत पुत्र रामचरण राजपूत उम्र करीब- 24 वर्ष निवासी ग्राम कल्याणपुरा थाना कोतवाली अभय सुखदेव पुत्र स्व0 किशोरी लाल उर्फ राजू उम्र करीब- 25 वर्ष निवासी ग्राम कल्याणपुरा थाना कोतवाली को गिरफ्तार किया गया । जिसके सम्बन्ध में थाना कोतवाली पर मु0अ0सं0-142/24 धारा 379 भादवि का अभियोग पंजीकृत किया गया था । अभियोग का सफल अनावरण कर अभियोग मे धारा 411/489 भादवि की बढोत्तरी कर अभियुक्त को मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम प्रभारी निरीक्षक शशिभूषण सिंह उ0नि0 सोनू कुमार उ0नि0 अंकित कौशिक हे0का0 बृजबिहारी सेंगर आरक्षी अभिषेक द्विवेदी आदि शामिल रहे।

टॉप-10 हिस्ट्रीशीटर अवैध शस्त्र सहित गिरफ्तार

विशाल इंडिया/पुनीत मिश्रा

सीतापुर। पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्र द्वारा जनपद में सघन चेकिंग एवम् अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है। दिये गये निर्देश के क्रम में क्षेत्राधिकारी नगर अमन सिंह के निकट पर्यवेक्षण में थाना खैराबाद पुलिस टीम द्वारा चेकिंग के दौरान टॉप-10 हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त विनोद पुत्र महेश निवासी मूसेपुर थाना खैराबाद सीतापुर को मूसेपुर तिराहा के पास से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से एक तंमचा मय एक जिन्दा कारतूस 12 बोर बरामद हुआ है। बरामद अवैध शस्त्र के सम्बन्ध में मु0अ0सं0 123/24 धारा 25(1-बी) आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्त उपरोक्त का चालान न्यायालय किया गया है।

अशोक कुमार मिश्रा बने बिरनो एसओ

गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक ने जहां लापरवाही बरतने के मामले में एक थानाध्यक्ष को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है है वही कई थानाध्यक्षों की तैनाती में फेरबदल बदल किया है। बीती देर रात जारी फरमान के बाद पुलिस महकमे बम हड़कम्प मचा है। पूरी कार्यवाही कानून व्यवस्था के मद्देनजर बताई जा रही है। देर रात जारी आदेश के अनुसार थानाध्यक्ष बिरनो देवेन्द्र सिंह यादव को शासकीय कार्य मे लापरवाही व अनियमितता बरतने के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया तथा इनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही भी की जा रही है। थानाध्यक्ष के खिलाफ यह करवाई मिली शिकायत की जांच के बाद की गई है। वही अब बिरनो थाने की कमान अशोक कुमार मिश्रा को सौंप गई है। पुलिस अधीक्षक द्वारा कई थानाध्यक्षों की तैनाती में फेरबदल गया गया है। जिसके क्रम में दुल्हपुर थानाध्यक्ष अशोक कुमार मित्र को बिरनो थानाध्यक्ष बनाया गया है। इसी के साथ थानाध्यक्ष भांवरकोल राजेश बहादुर सिंह को थानाध्यक्ष दुल्हपुर, थानाध्यक्ष नंदगंज प्रमोद कुमार सिंह को थानाध्यक्ष भांवरकोल, चौकी प्रभारी हंसराजपुर कृष्ण प्रताप सिंह को थानाध्यक्ष नंदगंज की नई तैनाती दी गई है।

बहन की शादी के दो दिन पहले भाई की मौत

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में एक युवक अपनी बहन की शादी की खरीदारी करने के लिए बाजार गया था। बहन की शादी के लिए उसको कपड़े बनवाना थे। तभी रोडवेज बस ने उसको टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि उसकी मौके पर मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार का रो रोकर बुरा हाल है। वहीं घर में शादी की खुशियां मातम में बदल गईं युवक की शादी डेढ़ साल पहले हुई थी। पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंची पत्नी कहे रही कि अब किस के सहारे जीवन कटेगा। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। थाना जलालाबाद क्षेत्र के गांव बझेड़ा मऊरानीपुर निवासी 25 साल का सुनील सोमवार की रात कपड़े सिलवाने और बहन की शादी की खरीदारी करने के लिए बाजार गया था। नकासे के पास रोडवेज बस ने सुनील को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि, सुनील की मौके पर मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने मृतक के परिजनों और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ट्रक के नीचे आने से छात्रा की मौत

कैलहट। मिर्जापुर के चुनार तहसील के जलालपुर माफी में एक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में ट्रक से कुचलकर एक छात्रा की मौत हो गई। छात्रा की मौत के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। बता दें कि छात्रा राम ललित महाविद्यालय में बीए तृतीय सेमेस्टर में पढ़ती थी। इस समय प्रदेश भर में हाई स्कूल, इंटर और बीए की परीक्षाएं चल रही हैं। ऐसे में चुनार तहसील क्षेत्र के राम ललित महाविद्यालय में भी बीए की परीक्षा चल रही है। यहां जलालपुर माफी की रहने वाली छात्रा गरिमा दुबे पुत्री अजय कुमार दुबे कॉलेज में तीसरे सेमेस्टर की छात्रा थी। छात्रा मंगलवार को पहली पाली की परीक्षा देकर साइकिल से घर लौट रही थी। वह नकहरा जलालपुर माफी पुल के पास पहुंची थी। इसी दौरान अचानक सरकारी राशन लदी ट्रक की चपेट में आ गई। इस हादसे में छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई। छात्रा की मौत के बाद वहां मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

शादीशुदा प्रेमिका को पीट-पीटकर मार डाला

बदायूं। बदायूं के उसहैत इलाके में 28 अक्टूबर को हुए विवाहिता के मर्डर का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। विवाहिता के हत्यारोपी सुमित व विनेशपाल को पुलिस ने धर दबोचा। पूछताछ में दोनों ने कबूला कि विवाहिता से प्रेम प्रसंग की बात उनके परिजनों को पता लग गई थी और इसी कारण घर में रोजाना कलह रहती थी। नतीजतन उसे ठिकाने लगा डाला। पुलिस लाइन सभागार में एसपी सिटी अमित किशोर श्रीवास्तव ने बताया कि उसहैत थाना क्षेत्र के असमया रफतपुर गांव के ब्रजेश की ओर से मुकदमा लिखा गया था। इसके मुताबिक ब्रजेश ने अपनी पत्नी सुमन को सुमित व विनेशपाल द्वारा बहलाकर ले जाने के बाद हत्या का आरोप लगाया था। इसी दिन कोड़ा जयकरन गांव में महिला का शव मिला था। मौके पर पहुंचकर परिजनों ने शव की शिनाख्त सुमन के रूप में की थी।

कपड़ा व्यवसायी को गोली मारने वाले दो गिरफ्तार

मुगलसराय, चंदौली। चंदौली के अलीनगर थाना क्षेत्र के तारापुर रेलवे फाटक के पास कपड़ा व्यवसायी ज्ञान प्रकाश मिश्रा (50) को बदमाशों ने गोली मारकर घायल कर दिया था। घायल का इलाज ट्रामा सेंटर में चल रहा है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपियों को कनेरा गांव उनके घर से भागने की योजना बनाते समय गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने पुरानी रंजिश को लेकर गोली चलाने की बात कही। अलीनगर थाना क्षेत्र के तारापुर रेलवे फाटक के पास एक मार्च को हुए गोली कांड में पुलिस ने 5 दिन बाद मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर दो आरोपियों को तमंचा के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सीओ अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि ज्ञान प्रकाश मिश्रा से कनेरा गांव निवासी शुभम मिश्रा उर्फ बब्बू पुत्र राकेश मिश्रा का पुरानी रंजिश था। घटना के एक सप्ताह पूर्व दोनों में विवाद भी हुआ था। इसको लेकर गांव के ही अपने मित्र अमित मिश्रा पुत्र नीरज मिश्रा के साथ मिलकर गोली मारने की योजना बनाई।

लेबनान के मिसाइल हमले में एक भारतीय की मौत, दो घायल

तेलअवीव। इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग में कई निर्दोष भी मारे जा रहे हैं। सोमवार को लेबनान ने एक एंटी-टैंक मिसाइल दाग दी जिसमें एक भारतीय की मौत हुई है और दो लोग घायल हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल के उत्तरी सीमावर्ती समुदाय मार्गालियट के पास एक बगीचे में लेबनान की तरफ से दागी गई मिसाइल के गिरने से केरल के एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और अन्य दो घायल हो गए हैं। उत्तरी इजराइल में लेबनान में हिजबुल्लाह आतंकवादियों के टैंक रोधी मिसाइल हमले में सोमवार को एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। इजराइल के चैनल 12 टीवी समाचार के अनुसार, मिसाइल ने मार्गालियट समुदाय के एक बगीचे में हमला किया,जिसकी चपेट में आठ भारतीय श्रमिक आ गए। इजरायल की मैगन डेविड एडोम की बचाव सेवा ने एक बयान में कहा कि इस हमले में दो भारतीय नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और अन्य को हल्की चोटें आई हैं। उन्हें वायु सेना के हेलीकॉप्टरों से अस्पतालों में पहुंचाया गया है। इजराइली सैन्य प्रवक्ता के अनुसार, इजराइली सेना ने इस मिसाइल हमले का टैंक और तोपखाने से गोलाबारी बरसाकर मुंहतोड़ जवाब दिया है।

यूएन की रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा : हमास ने बंधकों के साथ किया दुष्कर्म

तेलअवीव। इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग को लेकर यूएन ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमास बंधकों के साथ न केवल दुष्कर्म किया है बल्कि उन्हे मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना भी दी है। दावा किया गया है कि 7 अक्टूबर को हुए हमलों के दौरान कई बलात्कार भी हुए थे। इतना ही नहीं साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि गाजा ले जाए गए बंधकों के साथ भी रेप किया गया था। बता दें कि फिलिस्तीनी समूह हमास के लड़ाकों ने इजरायल पर हमला कर जंग शुरु की थी,तभी से दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संघर्ष में यौन हिंसा पर यूएन की विशेष प्रतिनिधि प्रमिला पैटन ने इजरायल और वेस्ट बैंक का दौरा किया था। वह फरवरी में करीब ढाई सप्ताह के लिए इन क्षेत्रों में अन्य एक्सपर्ट्स के साथ पहुंची थीं। उन्होंने पाया कि इस बात के स्पष्ट जानकारी थी कि कुछ बंधकों के साथ बलात्कार किया गया है। उन्होंने पाया कि यह भी माना जा रहा है कि ऐसी हिंसा उन लोगों के साथ अब तक जारी है, जो बंधक बने हुए हैं। खास बात है कि इजरायल ने हमास पर 7 अक्टूबर को बलात्कार और यौन हिंसा के भी आरोप लगाए थे। वहीं, इन मामलों पर धीमी प्रतिक्रिया देने के लिए यूएन को भी खासी आलोचना का सामना करना पड़ा था। रिपोर्ट में कहा गया है, गाजा क्षेत्र में हमास और अन्य सशस्त्र बलों की तरफ से आम जनता और सैन्य के खिलाफ हुए हमलों के संदर्भ में मिशन की टीम को पता चला है कि यहां यह मानने का आधार है कि 7 अक्टूबर को कई स्थानों पर रेप और गैंगरेप समेत संघर्ष संबंधित यौन हिंसा हुई है।रिपोर्ट में कहा गया है कि ये घटनाएं तीन जगहों पर हुई हैं। इनमें नोवा म्यूजिक फेस्टिवल, रोड 232 और किब्बूत्ज रीम शामिल है। रिपोर्ट में जानकारी दी गई है, इनमें से अधिकांश घटनाओं में पीड़ितों के साथ पहले बलात्कार किया गया और बाद में उन्हें मार दिया गया।

ईरान ने तेहरान-मास्को अंतरिक्ष सहयोग के बारे में अमेरिकी दावों को किया खारिज

तेहरान,। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नासिर कनानी ने मॉस्को के साथ तेहरान के अंतरिक्ष सहयोग के बारे में अमेरिकी अधिकारियों के दावों को आधारहीन बताते हुए खारिज कर दिया। कनानी अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर के दावों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। मिलर ने रूस द्वारा हाल ही में ईरानी उपग्रह के प्रक्षेपण को दोनों देशों के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग एक और उदाहरण बताया था। इसे उन्होंने यूक्रेन, ईरान के पड़ोसियों व अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए खतरा कहा था। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोमवार को तेहरान में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि ईरान और रूस के बीच रक्षा और सैन्य सहयोग अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नियमों के तहत दोनों देशों के सामान्य हितों पर आधारित है। कनानी ने जोर देकर कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय नियमों और कानूनों के तहत सहयोग दोनों देशों का अधिकार है। हम अमेरिकी अधिकारियों के आधारहीन दावों को खारिज करते हैं।' उन्होंने कहा कि रूस के साथ हमारा सहयोग किसी तीसरे पक्ष के खिलाफ नहीं है। गौरतलब है कि ईरान ने गुरुवार को पूर्वी रूस में रूस के सोयुज रॉकेट प्रक्षेपण के माध्यम से पार्स-1 नामक अपने उपग्रह को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया।

भारत का पुनरुत्थान कायम रहने वाला है : वरिष्ठ अधिवक्ता ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में कहा

वाशिंगटन,। उच्चतम न्यायालय के एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का पुनरुत्थान कायम रहने वाला है और देश यहां से पीछे नहीं हटेगा क्योंकि इसका उभार भूराजनीति, धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सहित कई कारकों का परिणाम रहा है। उन्होंने कहा, 'सच्चाई यह है कि सत्तर, अस्सी और नब्बे के दशक की पीढ़ी भारत को एक रोमांचक कहानी के रूप में देख रही है और अब वे इसका हिस्सा बनना चाहते हैं, जो स्वागत योग्य है। यह शानदार है।' वरिष्ठ अधिवक्ता और लेखक जे. साई दीपक ने 'स्टैनफोर्ड इंडिया डायलॉग-द लीडर्स ऑफ टुमॉरो' में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, 'भारत का पुनरुत्थान कायम रहने वाला है और मुझे लगता है कि देश यहां से पीछे नहीं हटेगा' स्टैनफोर्ड इंडिया पॉलिसी एंड इकोनॉमिक्स क्लब (एसआईपीईसी) ने मोटवानी जडेजा फाउंडेशन के साथ साझेदारी में शनिवार को एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया था। कार्यक्रम में दीपक ने कहा, 'मुझे खुशी इस बात की है कि ज्यादा से ज्यादा लोग लिखने के काम में रुचि रखते हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि आप सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं या नहीं। अच्छी बात यह है कि लिखने वाले लोग मौजूद हैं और तथ्य है कि इन्हें पिछले आधे दशक में शानदार सफलता मिली है।'

विज्ञान का चमत्कार, अब दुनिया में बच्चे अपंग पैदा नहीं होंगे

लंदन । साइंस की दुनिया में फिर चमत्कार हुआ है। अक्सर सुनाने में आता हैं कि कई बच्चे जब पैदा होते हैं, तब उनके अंग पूरे विकसित नहीं होते। किसी बच्चे की आंखें नहीं खुलतीं, तब किसी का सिर आधा अधूरा बना रहता है। किसी के फेफड़े और किडनी पूरी तरह काम नहीं करते हैं। अब ऐसी जेनेटिक बीमारि?यों का इलाज की उम्मीद जगा गई है। वैज्ञानिकों ने पहली बार गर्भ में पल रहे शिशु के अंग लैब में तैयार करने की बात कही है। उनका दावा है कि उन्हें कुछ ऐसा फार्मूला मिला है, जिससे प्रेग्नेंसी के अंतिम दिनों में वे शिशुओं के अंगों और कोशिकाओं को विकसित कर सकते हैं। अजन्मे शिशुओं की स्टेम कोशिकाओं से मिनी अंग विकसित किए जा सकते है। अगर ये कामयाब रहा, तब दुनिया में बच्चे अपंग पैदा नहीं होंगे। क्योंकि गर्भ में ही उनके अंगों को विकसित किया जा सकेगा। दुनिया में हर साल लाखों बच्चे गर्भ में विकसित हुई बीमारी के साथ पैदा होते हैं। सबसे ज्यादा डायाफाम हर्निया के चांस होते है, जिसमें पेट के सारे अंग अपनी जगह से खिसककर छाती में चले जाते हैं। दूसरी दिक्कत सिस्टिक फाइब्रोसिस की होती है, इसमें कुछ ग्रंथियों में से असामान्य रूप से गाढ़े पदार्थ का रिसाव होने लगता है, जो फेफड़ों और पाचन तंत्र सहित कई अंगों को नुकसान पहुंचाता है। इस तरह की जेनेटिक बीमारी सिस्टिक किडनी डिसीज है। इसमें फ्लूड से भरी थैली यानी सिस्ट बन जाते हैं, जो किडनी के लिए गंभीर समस्याएं पैदा करते हैं। वैज्ञानिकों का दावा है कि इसतरह के बीमारियों को नए फार्मूले के द्वारा ठीक किया जा सकेगा। आमतौर पर प्रेग्नेंसी के 22वें हफ्ते में भ्रूण के साथ छेड़छाड़ करना गैरकानूनी होता है। इससे बच्चे को दिक्कत हो सकती है। इसीलिए जब तक बच्चे को कोई गंभीर बीमारी न हो, इन हफ्तों में डॉक्टर सर्जरी का खतरा मोल नहीं लेते। लेकिन विशेषज्ञों दावा है कि अब वे एमनियोटिक थैली में तैरती कोशिकाओं से छोटे अंग विकसित कर सकते हैं, वहां भी बच्चे को छुए बिना। एमनियोटिक द्रव भ्रूण द्वारा निर्मित होता है और गर्भ में बच्चे को घेरे रहता है। यह द्रव बच्चे के शरीर से बहता रहता है और कोशिकाओं तक डीएनए लेकर जाता है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन की डॉ. मटिया गेरली ने कहा, नई रिसर्च हमें बच्चे को बिना छुए, उसके अंगों को ठीक करने की राह में आगे बढ़ रहे है। यह हमें आनुवंशिक बीमारियों के बारे में और अधिक सिखा सकती है। हम बेहतर तरीके से जान सकते हैं कि बच्चों में होने वाली जेनेटिक बीमारियों से कैसे निपटा जाए।

अर्जेंटीना में सरकारी स्वामित्व वाली न्यूज एजेंसी टीलेम के बंद होने पर प्रदर्शन करते हुए उसके कर्मचारी।

कमला हैरिस ने इजरायली वॉर कैबिनेट सदस्य से कहा युद्धविराम की कार्रवाई में तेजी लाएं

वाशिंगटन। अमेरिका की वाइस प्रेसिडेंट कमला हैरिस ने इजराइल के कैबिनेट सदस्यों से मुलाकात कर सीजफाइयर की कार्रवाई में तेजी लाने को कहा है। उन्होंने फिलिस्तीनी नागरिकों को सभी प्रकार की मानवीय सहायता सुनिश्चित किए जाने का भी आग्रह किया। इजराइल के पूर्व रक्षा मंत्री और उप-प्रधानमंत्री बेनी गैंट्ज़ के साथ हैरिस की मुलाकात सोमवार को हुई जिसमें उन्होंने इजरायल और हमास के बीच तत्काल युद्धविराम के लिए आह्वान किया। व्हाइट हाउस द्वारा जारी बैठक के एक रीडआउट में कहा गया है, 'उपराष्ट्रपति ने बंधक समझौते को हासिल करने की तात्कालिकता पर चर्चा की और बंधक वार्ता के लिए इजराइल के दृष्टिकोण का स्वागत किया।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने हमास से शर्तों को स्वीकार करने का आह्वान किया, जिसके तहत बंधकों की रिहाई के बाद तत्काल छह सप्ताह का युद्धविराम होगा।' रीडआउट में कहा गया है कि हैरिस ने 'गाजा में मानवीय स्थितियों और उत्तरी गाजा में एक सहायता काफिले के आसपास हाल ही में हुई भीषण त्रासदी के बारे में अपनी गहरी चिंता व्यक्त की।' इस घटना में एक सहायता काफिले से भोजन प्राप्त करने की कोशिश कर रहे कई फिलिस्तीनियों पर हमला हुआ था जिसमें सौ से ज्यादा लोग मारे गए। जब से इजराइल ने गाजा में अपना आक्रमण शुरू किया है, तब से फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत की संख्या 30,000 से अधिक हो गई है। इज़रायली सेना ने रविवार को कहा था मारे गए लोगों में से अधिकांश की मौत भगदड़ से हुई, जबकि फिलिस्तीन द्वारा संचालित स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि जिन लोगों को अस्पतालों में भेजा गया था, उन्हें गोली मार दी गई। रीडआउट में आगे कहा गया है कि गैंट्ज़ के साथ बैठक के दौरान हैरिस ने 'इजरायल से गाजा में मानवीय सहायता के प्रवाह को बढ़ाने और जरूरतमंद लोगों तक इसका सुरक्षित वितरण सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के सहयोग से अतिरिक्त उपाय करने का आग्रह किया।'

मालदीव का नया दांव-पहले भारतीय सेना को बाहर किया फिर चीन से कर लिया सैन्य समझौता

माले (एजेंसी)। कई बार अपने मुंह की खा चुका मालदीव ने एक बार फिर भारत विरोधी कदम उठाया है। इस बार मालदीव ने पहले भारतीय सेना को बाहर किया फिर चीन के साथ सैन्य समझौता कर लिया। बता दें कि पिछले साल नवंबर में मुइज्जू के सत्ता में आने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों में कुछ तनाव आ गया था। व्यापक रूप से चीन समर्थक नेता के रूप में देखे जाने वाले मुइज्जू ने राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने के बाद कहा कि वह भारतीय सैन्यकर्मियों को अपने देश से बाहर निकालने के अपने चुनावी वादे को निभाएंगे। मुइज्जू ने पिछले साल सितंबर में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में भारत के मित्र माने जाने वाले तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को हरा दिया था।

भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि तकनीकी विशेषज्ञों की उसकी पहली असैन्य टीम मालदीव में एक उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर का संचालन करने वाले सैन्यकर्मियों की जगह लेने वहां पहुंच गई है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने अपने देश से भारतीय सैन्यकर्मियों के पहले समूह की वापसी के लिए 10 मार्च की समयसीमा तय की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर को संचालित करने के लिए तकनीकी कर्मियों की पहली टीम मालदीव पहुंच गई है। यह हेलीकॉप्टर को संचालित करने वाले मौजूदा कर्मियों का स्थान लेगी।'' भारतीय सैन्यकर्मियों की वापसी से संबंधित मुद्दे के समाधान के लिए गठित उच्च-स्तरीय कोर समूह की दूसरी बैठक के बाद, मालदीव के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत 10 मई तक दो चरणों में अपने सभी सैन्यकर्मियों को हटा लेगा। कोर समूह की दूसरी बैठक दो फरवरी को दिल्ली में हुई।

चीन ने सोमवार को मालदीव के साथ मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए मुफ्त सैन्य सहायता प्रदान करने संबंधी रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव से भारतीय सैन्य कर्मियों को बाहर करने के लिए डेडलाइन तय की है। एक दिन पहले मालदीव के रक्षा मंत्री मोहम्मद घासन मौमून ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए चीन के अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग कार्यालय के उप निदेशक मेजर जनरल झांग बाओकुन से मुलाकात की। मालदीव के रक्षा मंत्रालय ने अपने एक्स हैंडल पर बताया कि मौमून और मेजर जनरल बाओकुन ने मालदीव गणराज्य को मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए चीन के सैन्य सहायता के प्रावधान पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। बता दें कि मालदीव ने ताजा रक्षा सहयोग समझौते का अधिक जानकारी नहीं दी है। लेकिन यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब 4500 टन वजनी हाई-टेक्नोलॉजी से लैस चीन का जासूसी जहाज मालदीव के तट से रवाना हो गया है।

इस बीच बताया कि चीन ने मालदीव को 12 ईको-फ्रेंडली एम्बुलेंस भी गिफ्ट में दी हैं। रविवार को स्वास्थ्य मंत्रालय में आयोजित एक समारोह में, मालदीव में चीनी राजदूत वांग लिक्सिन ने मालदीव को एम्बुलेंस का उपहार देने वाला पत्र प्रस्तुत किया। इससे पहले आधिकारिक रूप से जियांग यांग हांग श्री नामक यह चीनी जहाज ने ''कर्मियों को बदलने और आपूर्ति के लिए' के लिए बंदरगाह पर लंगर डाला था। मालदीव ने चीनी जहाज जियांग यांग होंग 03 को अपने कर्मियों के रोटेशन और लॉजिस्टिक एक्सचेंज के लिए माले बंदरगाह पर ठहरने की अनुमति दी थी। इसके कुछ दिनों बाद चीनी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने मालदीन की यात्री की है। पांच जनवरी को श्रीलंका ने जियांग यांग हांग श्री के प्रवेश को अनुमति देने से इनकार करते हुए कहा था कि उसने अपनी समुद्री सीमा में विदेशी अनुसंधन जहाजों के प्रवेश पर एक साल के लिए रोक लगाने की घोषणा की है। भारत ने अपने पड़ोस में चीन के अनुसंधान जहाजों के लंगर डालने पर चिंता प्रकट की थी। संयोग से यह चीनी जहाज भारत-मालदीव-श्रीलंका त्रिपक्षीय 'दोस्ती-16' अभ्यास के स्थल के समीप ही था। यह अभ्यास 22 फरवरी और 25 फरवरी के बीच हुआ था।

अबॉर्शन का संवैधानिक अधिकार देने वाला दुनिया का पहला देश बना फ्रांस

पेरिस (एजेंसी)। अबॉर्शन का संवैधानिक अधिकार देने वाला दुनिया का पहला देश फ्रांस बन गया है। फ्रांस के सांसदों ने सोमवार को संसद के संयुक्त सत्र के दौरान देश में गर्भपात को महिलाओं का संवैधानिक अधिकार बनाने संबंधी विधेयक को मंजूरी दे दी। विधेयक पर मतदान हुआ और इसके पक्ष में 780 जबकि विरोध में 72 वोट पड़े। प्रधान मंत्री गेब्रियल अटल ने मतदान से पहले सांसदों से कहा, हम सभी महिलाओं को एक संदेश भेज रहे हैं- आपका शरीर आपका है और कोई भी आपके लिए निर्णय नहीं ले सकता।फ्रांस में 1974 के कानून के बाद से महिलाओं को गर्भपात का कानूनी अधिकार प्राप्त है जिसकी उस समय कई लोगों ने कड़ी आलोचना की थी। महिला अधिकार कार्यकर्ताओं ने विधेयक को मंजूरी मिलने पर खुशी जताई और इस कदम की सराहना की। संसद के दोनों सदन नेशनल असेंबली और सीनेट पहले ही फ्रांसीसी संविधान के अनुच्छेद 34 में संशोधन के लिए एक विधेयक को मंजूरी दे चुके हैं ताकि महिलाओं को गर्भपात के अधिकार की गारंटी दी जा सके। जब मतदान के परिणाम की घोषणा एक विशाल स्क्रीन पर की गई तो पृष्ठभूमि में एफिल टॉवर चमक रहा था और माईबॉडीमायचॉइस संदेश प्रदर्शित हो रहा था, इसलिए मध्य पेरिस में एकत्र हुए गर्भपात अधिकार कार्यकर्ताओं ने खुशी मनाई और तालियां बजाईं। संयुक्त राज्य अमेरिका और कई अन्य देशों की तुलना में फ्रांस में गर्भपात के अधिकार को अधिक व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि लगभग 80प्र. फ्रांसीसी लोग इस तथ्य का समर्थन करते हैं कि गर्भपात कानूनी है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को दी क्लीनचिट... चुनाव लड़ने का रास्ता हुआ साफ

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर लगाए प्रतिबंध को रद्द कर दिया। कोलराडो के टॉप कोर्ट ने 14वें संविधान संशोधन के तहत ट्रंप को चुनाव लड़ने से रोक दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि राज्य अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर गया है। कोर्ट ने कैपिटल दंगे के लिए ट्रंप को जवाबदेह ठहराने के प्रयासों को खारिज कर दिया। इसके बाद अब ट्रंप का राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया है। ट्रंप ने इस फैसले को अमेरिका के लिए बड़ी जीत करार दिया है।

जज ने सर्वसम्मति से लोअर कोर्ट के उस फैसले को पलट दिया कि ट्रंप को छह जनवरी, 2021, कैपिटल दंगा मामले में उनकी कथित भूमिका के कारण सार्वजनिक पद धारण करने से अयोग्य घोषित किया था। कोलोराडो के सर्वोच्च न्यायालय ने अपनी तरह के पहले फैसले में कहा था कि प्रावधान, धारा 3, ट्रंप पर लागू की जा सकती है। ट्रंप के वकीलों ने दलील दी कि छह जनवरी का दंगा विद्रोह नहीं था और अगर ऐसा था भी, तब ट्रंप दंगाइयों में शामिल नहीं हुए थे।

जिनपिंग के खतरनाक इरादे, चीन ने 7 फीसदी से ज्यादा बढ़ाया रक्षा बजट

इस्लामाबाद (एजेंसी)। चीन इस साल अपने डिफेंस बजट में 7.2त्न का इजाफा किया है। ये आंकड़ा पिछले वर्ष के बराबर है। लेकिन सरकार की आर्थिक वृद्धि की भविष्यवाणी से अधिक है। बजट में सेना पर 1.67 ट्रिलियन युआन (230.60 अरब डॉलर) खर्च का अनुमान लगाया गया है। अमेरिका चीन के रक्षा बजट पर कड़ी नजर रखता है। ताइवान पर हाल ही में बढ़े तनाव को देखते हुए बीजिंग के रणनीतिक लक्ष्यों और उसके सैन्य बलों की वृद्धि को लेकर अमेरिका पहले से ही चिंतित हैं। चीन ने कहा कि वो ताइवान की स्वतंत्रता और बाहरी हस्तक्षेप के उद्देश्य से अलगाववादी गतिविधियों का दृढ़ता से विरोध करेगा। पिछली रिपोर्टों में

शांतिपूर्ण पुनर्मिलन के उल्लेख से परे अन्य रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि चीन पुनर्मिलन के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में दृढ़ रहेगा।

इस वर्ष सैन्य खर्च में वृद्धि एकल-अंकीय वृद्धि के लगातार नौवें वर्ष का प्रतिनिधित्व करती है। पिछले वर्षों की तरह, खर्च के किसी भी ब्यौरे के बिना, केवल कुल राशि और वृद्धि का प्रतिशत प्रदान किया गया था। प्रधानमंत्री ली कियांग की पहली कार्य रिपोर्ट मंगलवार को बीजिंग में अपनी वार्षिक बैठक के दौरान चीन की रबर-स्टैम्प संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) द्वारा सुनी जानी है। रॉयटर्स द्वारा देखी गई एक आधिकारिक कार्य रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने 2024 के लिए लगभग 5प्र. वार्षिक आर्थिक विकास लक्ष्य स्थापित किया है, जो पिछले वर्ष के एजेंडे के अनुरूप है।

बता दें कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग के 2012 में सत्ता में आने के बाद से बीते वर्षों में रक्षा खर्च बढ़ा है। अमेरिका के बाद चीन रक्षा बजट पर खर्च करने के मामले में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है।

पृथ्वी को गर्म होने से रोकने उपाय बताया वैज्ञानिकों ने

-नहीं आएंगे बहुत सारे अकाल और बाढ़

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अगले कुछ ही सालों में धरती का तपमान 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ जाएगा। इसके उम्मीद से ज्यादा ही गंभीर नतीजे देखने को मिलेंगे जिसके लिए मानव जाति और शायद पृथ्वी भी तैयार नहीं है। यह कहना है वैज्ञानिकों का।

ताजा अध्ययन में साइंटिस्ट ने ऐसा समाधान सुझाया है जिससे पृथ्वी को अकाल, हिमयुग और बाढ़ आदि से बचाया जा सकेगा। ऐसा नहीं होने पर दुनिया में लाखों लोग केवल अकाल से ही मरने लगेंगे। वैज्ञानिक यह कोशिश कर रहे हैं कि पृथ्वी को किसी तरह से और ज्यादा गर्म होने से रोका जा सके। अब कुछ अमेरिकी वैज्ञानिकों ने ऐसा करने का नया उपाय खोज निकला है जिसे अपनाने से पृथ्वी के बढ़ते तापमान को रोका जा सकेगा। वैज्ञानिकों का यह तक दावा है कि केवल यही उपाय ही तापमान घटाने के लिए काफी होगा। यदि उच्च वायुमंडल में मौजूद पानी की वाष्पों को सुखा दिया जाए तो गर्मी को पृथ्वी से बाहर निकलने का मौका मिल जाएगा। इससे पृथ्वी का तापमान कम हो जाएगा और वह ठंडी हो जाएगी।

रिपोर्ट में ऐसा करने के लिए वैज्ञानिकों ने वायुमंडल के ऊपरी हिस्से में बर्फ फेंकने का सुझाव दिया है। वैज्ञानिकों ने यह भी माना हा कि यह काम खतरे से खाली नहीं है, फिर एक अच्छा विकल्प हो सकता है। उनका कहना है कि पृथ्वी सतह से 17 किलोमीटर की ऊंचाई पर खास विमानों से अगर बर्फ के कण फैला दिए जाएं तो इससे वहां की वाष्प ठंडी हो जाएगी, पर बड़ा सवाल यह है कि इसके लिए कितनी बर्फ की जरूरत होगी।

इस सवाल का जवाब भी वैज्ञानिकों ने दिया है कि उन्होंने कहा कि हर सप्ताह हवा में दो टन के बर्फ के कण वायुमंडल के इस हिससे में छोड़ने होंगे और ऐसा करने से तापमान 5 डिग्री तक कम हो सकता है। इतना ही नहीं उनका तो यहां तक कहना है कि इससे प्रदूषण तक कम हो जाएगा। बता दें कि दुनिया अब बहुत तेजी से ऐसे दौर में जा रही है जहां उसने चरम मौसम की घटनाएं बहुत ज्यादा और बार-बार देखने को मिलने लगेंगी।

रशिया में गोल्ड मेडल जीतकर वैष्णवी ने देश का गौरव बढ़ायाः मुख्यमंत्री यादव

भोपाल । रशिया में आयोजित इंटरनेशनल मास्को वुशु चैम्पियनशिप के 48 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीत कर मध्यप्रदेश के सतना की वैष्णवी को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शुभकामनाएं दीं हैं। उन्होंने कहा कि वैष्णवी ने एमपी सहित देश का गौरव बढ़ाया है। डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया कि एमपी और देश को आप पर गर्व है। उन्होंने पोस्ट में लिखा वैष्णवी बिटिया ने रशिया में आयोजित इंटरनेशनल मास्को वुशु चैम्पियनशिप-2024 में 48 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड मैडल जीतकर सतना की बेटी वैष्णवी ने मध्यप्रदेश सहित देश का गौरव बढ़ाया है। प्यारी बिटिया आप ऐसे ही स्वर्णिम सफलताएं अर्जित कर आगे बढ़ती रहो आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए अनंत शुभकामनाएं एवं ढेर सारा आशीर्वाद।

प्रणीत ने संन्यास लिया

नई दिल्ली ।

भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल बी साई प्रणीत ने खेल से संन्यास ले लिया है। 31 साल की उम्र में खेल को अलविदा कहने वाले प्रणीत ने साल 2019 की विश्व चैम्पियनशिप में तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही कांस्य पदक जीता था। प्रणीत ने 2019 विश्व चैंपियनशिप सत्र में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। इस प्रकार 36 साल बाद ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह पहले भारतीय बने थे। इससे पहले साल 1983 में दिग्गज खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण ने कांस्य पदक जीता था।

साल 2019 प्रणीत के लिए बेहद अहम रहा था। विश्व चैंपियनशिप सत्र में कांस्य पदक जीतने के अलावा इस खिलाड़ी ने 2013 थाईलैंड ओपन के पहले राउंड में 2003 के ऑल इंग्लैंड चैंपियन मलेशिया के मुहम्मद हाफिज हाशिम को हराया था। उन्हें अर्जुन अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया है। प्रणीत ने उन्हें दिये समर्थन के लिए गोपीनाथ अकादमी का भी आभार जताया है। हैदराबाद के स्टार खिलाड़ी ने अपने शानदार करियर को समाप्त करने की घोषणा सोशल मीडिया के जरिए की। उन्होंने अपने इंस्टा अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा। भावनाओं के मिश्रण के साथ, मैं विदाई देने और उस खेल से अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा करने के लिए इन शब्दों को लिख रहा हूं जो 24 वर्षों से अधिक समय से मेरा जीवन रहा है। प्रणीत एक नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। आने वाले समय में वह अमेरिका में ट्रायंगल बैडमिंटन अकादमी के मुख्य कोच के रूप में अपनी सेवाएं देते नजर आएंगे।

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडु के कप्तान पर टिप्पणी के लिए कोच पर भड़के कार्तिक

मुम्बई । क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने तमिलनाडु के कप्तान साई किशोर पर टिप्पणी के लिए टीम के कोच सुलक्षण कुलकर्णी की आलोचना की है। कोच ने इससे पहले कहा था कि कप्तान साई के पहले बल्लेबाजी के फैसले के कारण ही टीम को सेमीफाइनल में मुम्बई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। कुलकर्णी ने पहले बल्लेबाजी करने के लिए साई को दोषी ठहराया और यहां तक कि दावा किया कि वे टॉस के साथ ही मैच भी हार गए थे जबकि मैंने कहा था कि इस प्रकार के मैदान पर पहले गेंदबाजी की जाती है। वहीं कार्तिक ने कोच द्वारा की गई टिप्पणियों की आलोचना की। विकेटकीपर ने कहा कि वह कुलकर्णी की टिप्पणियों से निराश हैं। उन्होंने साई का साथ देने की जगह उन्हें नीचा दिखाने का प्रयास किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, यह बहुत गलत है। कोच की ओर से यह बहुत निराशाजनक टिप्पणी है जबकि उन्हें अपने कप्तान का समर्थन करना चाहिये था। उस कप्तान का समर्थन करने के की जगह जिसने 7 साल बाद टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया है और यह सोचकर कि यह अच्छी चीजों के होने की शुरुआत है, कोच ने अपने कप्तान को पूरी तरह से बाहर कर दिया है। मुंबई ने तमिलनाडु को सेमीफाइनल में पारी और 70 रनों से हरा दिया था।

आई पी एल में पंजाब किंग्स ने अब तक बदले हैं सबसे ज्यादा कप्तान

मुम्बई । 22 मार्च से शुरु हो रही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र से पहले प्रशंसक इस लीग को लेकर कई बातें जानना चाहते हैं। एक सवाल जो प्रशंसकों के मन में उठ रहा है वह ये है कि इसमें सबसे ज्यादा बार किस लीग ने कप्तान बदला है। तो इसका जवाब है पंजाब किंग्स जिसे पहले किंग्स इलेवन पंजाब के नाम से जाना जाता था। ये प्रीति जिंटा के मालिकाना अधिकार वाली टीम है। पंजाब किंग्स ने अब तक सबसे ज्यादा 15 कप्तान बदले हैं। वहीं दूसरे नंबर पर दिल्ली कैपिटल्स की टीम है। तीसरा नंबर सनराइजर्स हैदराबाद का आता है। मुंबई इंडियंस ने 9 कप्तान बदले हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइटराइडर्स ने अब तक कुल 7 सात 7 कप्तान बदले हैं। वहीं आईपीएल का सबसे पहला खिताब जीतने वाले राजस्थान रॉयल्स ने अब तक 6 कप्तान बदले हैं। वहीं गुजरात टाइटंस ने तीन बार कप्तान बदले हैं। चेन्नई सुपर किंग्स ने अब केवल तीन बार कप्तान बदला है। सनराइजर्स हैदराबाद ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस को कप्तान बनाया है। वह इस टीम के 10वें कप्तान हैं।

अपने 100वें टेस्ट से पहले अश्विन ने कहा, 'मैंने अपनी सफलता का उतना आनंद नहीं लिया जितना मुझे लेना चाहिए था'

नई दिल्ली,

भारतीय स्पिन लीजेंड रविचंद्रन अश्विन अपना 100वां टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने खुलासा किया कि मैंने अपनी सफलता का उतना आनंद नहीं लिया जितना मुझे लेना चाहिए था क्योंकि वह हर दौरे के बाद एक बेहतर खिलाड़ी बनने के लिए अपने आप में वापस चले जाते हैं। धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ 7 मार्च से शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट के दौरान, अश्विन खेल के लंबे प्रारूप में अपना 100वां मैच खेलेंगे। राजकोट में चल रही श्रृंखला के तीसरे टेस्ट में, अश्विन 500 टेस्ट विकेट हासिल करने वाले नौवें और अनिल कुंबले के बाद दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गए तथा मुथैया मुरलीधरन, शेन वार्न, जेम्स एंडरसन, स्टुअर्ट ब्रॉड, कुंबले, ग्लेन मैकग्रा, कर्टनी वॉल्श और नाथन लियोन जैसे गेंदबाजों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गए। इसके अलावा, उन्होंने घरेलू टेस्ट में 350 विकेट की बाधा को तोड़ दिया और कुंबले को पीछे छोड़ते हुए भारत के शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। अश्विन ने 99 टेस्ट मैचों में 507 विकेट, 116 वनडे में 156 विकेट और 65 टी20 में 72 विकेट लिए हैं। अपने महत्वपूर्ण अवसर से पहले, अश्विन कुंबले के साथ जियोसिनेमा पर स्पिन मास्ट्रोस कार्यक्रम में बातचीत कर रहे थे। यह पूछे जाने पर कि यदि चीजें सही नहीं होती हैं या सही होती हैं तो आप किस पर भरोसा करते हैं? अश्विन ने कहा,: मैं एक व्यक्ति के पास वापस जाता हूं और यह उस व्यक्ति के लिए बहुत तनावपूर्ण है। वह व्यक्ति मैं हूं। उन्होंने कहा,÷क्योंकि मुझे लगता है कि क्रिकेट सबसे महान आत्म-विचार वाले खेलों में से एक है। और यदि आप अपने बारे में निर्दयी और बहुत आलोचनात्मक हैं, तो मुझे लगता है कि यह आपके चेहरे पर सच्चाई देखेगा। भारत में पर्याप्त और अधिक आलोचक हैं जो ऐसा करेंगे आपको बता देंगे, उनमें से 10 आपको गलत बातें बताएंगे, लेकिन वे निश्चित रूप से आलोचनात्मक हैं। लेकिन उनमें से 10 आपको सही चीजें भी बताएंगे। इसलिए, जैसा कि मैं हमेशा कहता हूं, मेरी सबसे बड़ी पीड़ा यह है कि मैं अपनी सफलता का उतना आनंद नहीं ले पाता, जितना मुझे लेना चाहिए था। लेकिन, इससे मुझे एक बेहतर क्रिकेटर बनने में भी मदद मिली है। मैंने लगातार चीजों में सुधार की तलाश की है और मैंने यह सुनिश्चित कर लिया है कि किसी विशेष दिन मैं जो हूं उससे मैं बहुत असहज हूं। और फिर मैं ड्राइंग बोर्ड पर वापस आता हूं और इस पर ध्यान केंद्रित करता हूं कि खेल में और अधिक लाने के लिए मैं और क्या कर सकता हूं। अश्विन ने कहा, उदाहरण के लिए, स्टीवन स्मिथ ने मेरे खिलाफ शतक बनाया है, मैं उसे कैसे पकड़ सकता हूं, या जो रूट ने शतक बनाया है, मैं उसे कैसे पकड़ सकता हूं। इसलिए लगातार वह विचार एक नई कार्रवाई शुरू करता है और अंततः इसने मेरे लिए वर्षों काम किया है इसलिए मैं वहां आराम से बैठा हूं।

इस महत्वपूर्ण अवसर से पहले बोलते हुए, अश्विन ने विनम्रतापूर्वक अपनी क्रिकेट यात्रा के दौरान अपने परिवार के अपार समर्थन और त्याग को स्वीकार किया। वह इस बात पर जोर देते हैं कि जहां 100वां टेस्ट व्यक्तिगत महत्व रखता है, वहीं यह उनके पिता, मां, पत्नी और बच्चों के लिए और भी अधिक मायने रखता है, जो उनके लिए समर्थन और प्रोत्साहन के दृढ़ स्तंभ रहे हैं। अश्विन ने कहा, 100वां टेस्ट मेरे लिए बहुत मायने रखता है, लेकिन यह मेरे पिता, मां, पत्नी और यहां तक कि मेरे बच्चों के लिए भी अधिक मायने रखता है। मेरे बच्चे टेस्ट को लेकर अधिक उत्साहित हैं। एक खिलाड़ी की यात्रा के दौरान परिवार बहुत कुछ झेलता है।

यशस्वी को मिल सकता है फरवरी माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड

दुबई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज में दो दोहरे शतक के साथ ही अब तक सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। ऐसे में वह फरवरी माह के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी की दौड़ में सबसे आगे हो गये हैं। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की इस दौड़ में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन और श्रीलंका के पाथुम निसांका भी शामिल हैं। वहीं महिला वर्ग में यूएई की कविशा ई और ईशा ओझा और ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की दौड़ में शामिल हैं। आईसीसी ने कहा ,''अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फरवरी माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए महिला और पुरूष वर्ग में नामांकन घोषित कर दिये हैं। पिछले माह कई बड़े मुकाबले खेले गए हैं और आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में टेस्ट क्रिकेट में बड़े स्कोर बनाने वाले दो खिलाड़ी और हैं।''

यशसवी पहली बार इस पुरस्कार की रेस में हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट में 655 रन बनाये हैं। उन्होंने विशाखापत्तनम और राजकोट में दोहरे शतक लगाये थे। राजकोट में उन्होंने एक टेस्ट पारी में सर्वाधिक 12 छक्कों का रिकार्ड बनाया था। 22 साल और 49 दिन की उम्र में लगातार दो दोहरे शतक लगाकर यशस्वी सर डॉन ब्रैडमेन और विनोद कांबली के बाद दुनिया के तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बने हैं। वहीं दूसरे दावेदार न्यूजीलैंड के केन विलियमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज जीत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कश्मीर की अनस और आयरा ने मॉस्को स्टार्स वुशु इंटरनेशनल में जीते स्वर्ण

नई दिल्ली ।

जम्मू कश्मीर की अनसा चिश्ती और आयरा चिश्ती ने रुसी मॉस्को स्टार्स वुशु इंटरनेशनल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीते हैं। इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने वजन वर्ग 52 और 56 में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। इन दोनो ने ही फाइनल में रूसी खिलाड़ियों को हराया और अपने प्रशंसकों के साथ-साथ अपने प्रदेश और देश का नाम रौशन किया है। जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल की प्रमुख नुजहत गुल ने सोशल मीडिया पर घाटी की इन दो प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा, दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने वजन वर्ग 52 और 56 में असाधारण प्रदर्शन किया है। उन्होंने फाइनल में रूसी खिलाड़ियों को हराया और अपने प्रशंसकों के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों का सम्मान बढ़ाया है। आयरा का ये तीसरा अंतरराष्ट्रीय पदक है। इस महिला खिलाड़ी ने इससे पहले उन्होंने जॉर्जिया में स्वर्ण और इंडोनेशिया में विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता था। अब यह अंतरराष्ट्रीय वुशु चैम्पियनशिप में लगातार तीसरा पदक है और पिछले साल उन्हें राज्य पुरस्कार के लिए भी चुना गया था। आयरा पहली वुशु महिला एथलीट हैं जिन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना गया था। वहीं इसी प्रकार अंतराष्ट्रीय वुशु चैंपियनशिप में दूसरा पदक जीतने वाली अनसा ने इससे पहले जॉर्जिया इंटरनेशनल वुशु चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था।

प्रवीण ने कहा , गांगुली जैसे कप्तान हैं रोहित

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की सराहना करते हुए कहा है कि वह पूर्व कप्तान सौरव गांगुली जैसे हैं। प्रवीण ने कहा कि रोहित भी सौरव की तरह पहले तो खिलाड़ियों को डांटते हैं फिर बाद में उन्हें गले भी लगाते हैं। रोहित मैदान पर मैच के दौरान अपनी टीम के खिलाड़ियों को डांटते हैं पर साथ ही उन्हें निडर होकर भी खेलने को कहते हैं। इसी कारण उनकी तुलना गांगुली से की जाती है। प्रवीन ने कहा, रोहित एक बेहद शानदार कप्तान हैं। उन्होंने टीम का नेतृत्व बहुत ही बेहतरीन तरीके से किया है। वहीं गांगुली एक ऐसे कप्तान हुए जिन्होंने टीम को बनाया था। उन्होंने टीम को युवा और अनुभवी खिलाड़ियों को मिलाकर तैयार किया। वहीं रोहित भी यही कर रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में खेले गए टेस्ट मैच के दौरान दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल और सरफराज खान को डांट लगाई थी। दोनों ड्रिंक के दौरान वापस आने लगे थे पर रोहित ने ड्रेसिंग रूम से ही दोनों को इशारे में डांट लगाते हुए कहा अभी बल्लेबाजी करो वापस आने किसने कहा है। यह वीडियो काफी ज्यादा वायरल भी हुआ था। इसके अलावा सरफराज खान को फिल्डिंग के दौरान हेलमेट ना लगाने पर कहा था कि ज्यादा हीरो मत बनो। इसके अलावा रवींद्र जडेजा को नो बॉल करने पर फटकारते हुए कहा था कि आईपीएल में तो नो बाल नहीं डालता। प्रवीन ने कहा, जब टीम के साथी खिलाड़ी गलती करते हैं तो उनको रोहित डांट लगाते हैं और इसके बाद जाकर गले भी लगाया करते हैं। वह अपने सभी खिलाड़ियों को मैच के दौरान प्रेरित करने के साथ ही सलाह भी देते हैं।

भारत-इंग्लैंड धर्मशाला टेस्ट के दौरान बारिश और ओले गिरने की संभावना

मुम्बई ।

भारत और इंग्लैंड के बीच सात मार्च से धर्मशाला में शुरु हो रहे पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में खराब मौसम बाधक बन सकता है। भारतीय टीम इस सीरीज में 3-1 से आगे है। ऐसे में अगर इस मैच में बारिश के कारण मैच नहीं होता है तो भी भारतीय टीम पर कोई प्रभाव नहीं होगा। मौसम विभाग के अनुसार मैच के दौरान धर्मशाला में ओले गिरने के साथ-साथ बारिश भी हो सकती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार 7 फरवरी को धर्मशाला में बारिश हो सकती है। इस दौरान बारिश के साथ साथ ही ओले भी गिर सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो पहले दिन का खेल शायद ही हो पाये। इस दौरान दिन का सबसे अधिक तापमान 7 डिग्री जबकि सबसे कम 4 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। इंग्लैंड के खिलाड़ियों को इतनी ठंडे मौसम में खेलने की आदत है पर भारतीय टीम के लिए खेलना आसान नहीं रहेगा। इससे पहले इस साल की शुरुआत में मोहाली में अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में भारतीय टीम ठंड से परेशान थी। अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले अभ्यास सत्र में अधिकतर क्रिकेटर ठिठुरते दिखे थे। ऐसे में पांच दिन तक खेलना भारतीय टीम के लिए आसान नहीं रहेगा। पांचवे टेस्ट के लिए भारतीय टीम इस प्रकार हैः रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, केएस भरत, देवदत्त पडिक्कल, आर अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आकाशदीप।

मां की मौत से अब तक नहीं उबर पाये हैं कमिंस

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि गत वर्ष भारत दौरे पर जाना उनके लिए सबसे कठिन था। इसका कारण है कि उन्हें पता था कि मां की बिमारी के चलते उन्हें कभी भी स्वदेश लौटना पड़ा सकता है। कमिंस की मां की मौत हो गयी है और इस सदमे से वह अभी तक नहीं उबर पाये हैं। कमिंस ने कहा कि तब टेस्ट सीरीज के दौरान घर पर उनकी मां का इलाज चल रहा था। कमिंस की मां मारिया की पिछले साल कैंसर से मौत हो गयी थी। कमिंस ने में कहा, जब मैं भारत के लिए विमान में बैठ रहा था तो मुझे पता था कि मुझे कुछ सप्ताह में ही वापस घर लौटना होगा। कमिंस टेस्ट श्रृंखला के लिए भारत में थे पर बीच में ही वह दौरा छोड़कर स्वदेश लौट गये थे हालांकि तब उनके स्वदेश लौटने का कारण नहीं बताया गया था। , कमिंस ने कहा कि उन्होंने अपनी मां मारिया के अंतिम दिनों की यादों को निजी रखने की कोशिश की और उन्हें यह नहीं बताया कि पिछले साल भारत में दो टेस्ट खेलने के बाद वह घर क्यों चले आ गये थे। उन्होंने कहा, मां और पिताजी को एक साथ बैठकर मुझे खेलते हुए देखकर आनंद मिलता था। इससे मुझे जाने और खेलने के लिए पर्याप्त आत्मविश्वास मिला और वे इसके लिए बेताब थे, उन्होंने मुझे जाने और खेलने के लिए कहा जबकि मुझे पता था कि मुझे किसी भी समय वापस लौटना पड़ सकता है।

सचिन ने अनंत और राधिका को अनौखे अंदाज में बधाई दी

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने मुकेश और नीता अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट को अपने ही अंदाज में बधाई दी है। सचिन ने प्री वेडिंग समारोह में अनंत और राधिका आशीर्वाद देते हुए एलबीडब्ल्यू कहकर इस शब्द को एक नया अर्थ दिया। सचिन ने अनंत और राधिका के जामनगर में हुए तीन दिवसीय प्री वैडिंग समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा, एलबीडब्ल्यू का मतलब अनंत और राधिका के लिए प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाएं है! इस खूबसूरत जोड़ी को शुभकामनाएं। अनंत की प्री-वेडिंग पार्टी में सचिन के अलावा कई प्रमुख भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटरों ने हिस्सा लिया है। समारोह में रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, जहीर खान, ड्वेन ब्रावो, एमएस धोनी भी नजर आए थे। सचिन आईपीएल सत्र में अंबानी परिवार के मालिकाना अधिकार वाली मुंबई इंडियंस टीम के मैंटोर की भूमिका निभाते हुए दिखेंगे। मुम्बई ने अब तक 5 आईपीएल खिताब जीते हैं ओर सचिन इस संख्या को और बढ़ाना चाहेंगे। मुम्बई ने इस सत्र के लिए हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया है।

जिंदगी से जुड़ी फील्ड है एनवायरनमेंटल साइंस

एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

पर्यावरण हमारी जिंदगी में अहम भूमिका निभाता है. चाहे बात खाने के अनाज की हो, रहने के लिए घर की हो, पहनने के लिए कपड़े की हो या फिर पानी, सूर्य की रोशनी, हवा की हो. सभी कुछ इसी पर्यावरण पर निर्भर करता है. इसलिए जब पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है तो उसका कहीं न कहीं प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है. औद्योगिक विकास की रफ्तार ने पर्यावरण को लीलने का काम किया है. यही कारण है कि सभी का ध्यान इस ओर गया है. ऐसे में, एनवायरनमेंटल साइंस से जुड़े लोगों की मांग काफी बढ़ गई है. मूल रूप से एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

एनवायरनमेंटल साइंस के अध्ययन की बात पहली बार 1977 में स्टॉकहोम में हुई कांफ्रेंस में सामने आई थी. औद्योगिक विकास की अंधी दौड़ में आज जिस तरह पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वह किसी से अछूता नहीं है. ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से लेकर ग्लेशियर के पिघलने या फिर पर्यावरण प्रदूषण आदि का मामला सभी कुछ इसी से जुड़ा हुआ है. आज के दौर में सरकार से लेकर स्वयंसेवी संगठन तक सभी पर्यावरण को लेकर जागरूक हो रहे हैं. एनवायरनमेंटल साइंस से संबंधित कोर्स यानी ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट करने वाले छात्र कंस्ट्रक्शन, केमिकल, मैन्युफैक्चरिंग और एनर्जी के फील्ड में करियर बना सकते हैं. इसके अलावा और भी कई फील्ड हैं जहां इससे संबंधित डिग्री हासिल करने वाले छात्र करियर को नई मंजिल तक पहुंचा सकते हैं.

एनवायरनमेंटल साइंटिस्ट

इससे जुड़े लोग वातावरण पर मनुष्यों द्वारा पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करते हैं. वे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट को लेकर शोध करते हैं और एनवायरनमेंटली फ्रेंडली प्रैक्टिस को लेकर संबद्ध संस्थानों को सुझाव भी देते हैं.

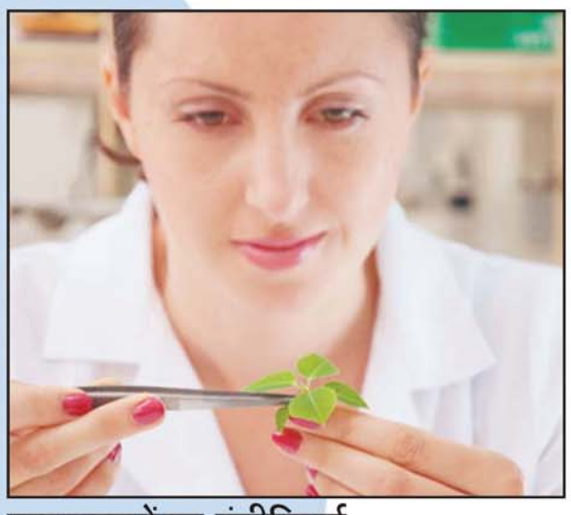

एनवायरनमेंटल इंजीनियर्स

इस फील्ड से जुड़े लोग वास्ट मैनेजमेंट, लीन मैन्युफैक्चर, रिसाइक्लिंग, इमिशन कंट्रोल, इनवायरेनमेंटल सस्टेनेबिलिटी और पब्लिक हेल्थ मामलों का अध्ययन करते हैं.

एनवायरनमेंटल लॉबिस्ट

ये सरकारी अधिकारियों, नेताओं और संबंधित स्वयंसेवी संस्थानों को पर्यावरण मामलों और नीतियों की जानकारी देते हैं.

एनवायरनमेंटल एजुकेटर

इससे जुड़े लोग एनवायरनमेंटल साइंस या फिर इससे संबंधित विषयों यानी इकोलॉजी या हाइड्रोलॉजी छात्रों को पढ़ाते हैं. इसके अलावा, एनवायरनमेंटल बायोलॉजिस्ट, एनवायरनमेंटल मॉडलर्स, एनवायरनमेंटल जर्नलिस्ट या पर्यावरण से संबंधित तकनीकविदों की तरह भी कार्य कर सकते हैं.

वेतन - एनवायरनमेंटल साइंस में बैचलर डिग्री करने वाले छात्रों को आसानी से 15-30 हजार रुपये मासिक की नौकरी मिल जाती है. जिन्होंने इस विषय में पोस्ट ग्रेजुएट किया है, उन्हें कम से कम 35-50 हजार रुपये मासिक तौर पर तो मिलते ही हैं. जो लोग पीएचडी करने के बाद बतौर साइंटिस्ट या कंसल्टेंट कार्य करते हैं, उनका वेतन शुरुआत में 50-75 हजार रुपये के बीच होता है.

संस्थान - अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, दिल्ली डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली स्कू ल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसे ज, जेएनयू, नई दिल्ली पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, यूपी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी गुरुकल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, यूपी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, यूपी

हस्तनिर्मित कागज उद्योग फलता-फूलता रोजगार

भारत में हस्तनिर्मित कागज उद्योग का इतिहास बहुत पुराना है। मुगल काल से इसके प्रमाण मिलते हैं। यह उद्योग भारत के सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें सबसे खास बात यह है कि यह उद्योग अपशिष्ट पदार्थ को रिसाइकिलिंग प्रणाली द्वारा उच्चकोटि के कागज में तब्दील कर देता है। इसके अलावा, इसमें कम खर्च में अधिक लोगों को रोजगार दिया जाता है। असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश एवं नगालैंड जैसे राज्यों में हस्तनिर्मित कागज के उद्योग खूब फल फूल रहा है। जबकि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 10-15 हजार लोग इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं।

शैक्षिक योग्यता की दरकार

इस रोजगार को प्रारंभ करने से पहले यदि आप प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण होना बहुत जरूरी है। प्रशिक्षण के पश्चात आप विशेष योग्यता से लैस हो जाएंगे, बल्कि रोजगार से संबंधित बारीकियां भी आपको मालूम हो सकेंगी। यदि आपके पास इस व्यवसाय से संबंधित जानकारी पहले से ही मौजूद है तो पांचवीं की डिग्री भी महत्वपूर्ण है यानी आपको सिर्फ साक्षर होना आवश्यक है। उम्र-सीमा 18 वर्ष से कम न हो।

संबंधित पाठ्यक्रम

इसमें मुख्यत- हैंडमेड पेपर में सर्टिफिकेट कोर्स (एक से दो सप्ताह), पेपर कंजरवेशन कोर्स (दो माह), इंटरप्रिन्योरशिप कोर्स (दो माह) तथा हैंडमेड पेपर में एडवांस कोर्स (एक वर्ष) आदि शामिल हैं।

फीस एवं प्रशिक्षण अवधि

यदि आप प्रशिक्षण खादी ग्राम उद्योग कमीशन (केवीआईसी) से प्राप्त करते हैं तो आपको सिर्फ 200 रुपए मामूली फीस में प्रशिक्षण मिल सकता है। जबकि प्रशिक्षण अवधि 2-3 हफ्तों की होती है। इस दौरान प्रशिक्षु को अपशिष्ट पदार्थों को रिसाइकिल कर आकर्षक कागज में परिवर्तित करने की कला सिखा दी जाती है। रिसाइकिलिंग में टेलर कटिंग, होजरी कटिंग तथा छोटे-छोटे टुकड़ों के सहारे उच्चकोटि के उपयोगी पेपर तैयार किए जाते हैं।

खर्च एवं सुविधा

हस्त निर्मित कागज उद्योग का यूनिट लगाने में कम से कम 40-70 हजार रुपए की लागत आती है। प्रारंभ में यह जरूरी है कि यूनिट छोटी ही लगाई जाए। बाद में सफल होने तथा डिमांड अधिक होने पर यूनिट की क्षमता इच्छानुसार बढ़ा सकते हैं। इस रोजगार के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने किसी भी व्यक्ति को प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक के ऋण का प्रबंध किया है। इसके साथ ही महिलाओं, अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग के विकलांगों को दिए गए कर्ज में 30 फीसदी की सब्सिडी मिलती है।

प्रशिक्षण दिलाने वाले संस्थान

ऐसे कई संस्थान हैं जो अपने यहां से हस्तनिर्मित कागज से जुड़ा प्रशिक्षण दिलाते हैं-

- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (गांधी दर्शन), राजघाट, नई दिल्ली-110002 (संस्थान का पूरे भारत में कई जगह प्रशिक्षण केंद्र मौजूद)
- डॉ राजेन्द्र प्रसाद मल्टी डिस्प्लीनरी ट्रेनिंग सेंटर, खादी एवं विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, शेखपुरा, पटना-14
- कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीटच्यूट, सांगानेर, राजस्थान-302022

टूरिज्म गाइड, मेहनती युवाओं के लिए बढ़िया करियर ऑपशन

पर्यटन आज सांस्कृतिक पहचान पुख्ता करने के साथ रेवेन्यू अर्जित करने का भी जरिया बन रहा है. ऐसे में स्थानीय सरकारें देश में पर्यटन को बढ़ावा देने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं. भारतीय गांवों की सैर विदेशी पर्यटकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है. यहां के घर, बच्चों के खेल, महिलाओं का ओढना-पहनना, खेत-खलिहान, दैनिक गतिविधियां, अर्थव्यवस्था आदि उन्हें इतने आकर्षित करते हैं कि पर्यटक महीनों यहां डेरा डाले रहते हैं.

टूरिस्ट गाइड का कार्य

किसी भी देश की सामाजिक, सांस्कृतिक परंपराओं से पर्यटकों को अवगत कराने में टूरिस्ट गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. टूरिस्ट गाइड पर्यटकों के साथ रहकर उन्हें जाने-अनजाने और अनछुए पहलुओं से वाकिफ कराते हैं. यही वो कारण है जिसके चलते आज टूरिस्ट गाइड एक आकर्षक कॅरियर विकल्प के तौर पर अपनी जगह बना चुका है. संबंधित देश के टूरिस्ट गाइड राज्य क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी के साथ-साथ सांस्कृतिक, ऐतिहासिक पर्यटन संबंधी जानकारी रखने के साथ ट्रेवल एजेंसी और बड़े-बड़े होटलों की जानकारी रखते हैं. देश में टूरिस्ट गाइड के लिए भारतीय पर्यटन और ट्रेवल विभाग से टूरिस्ट गाइड का लाइसेंस लेना होता है. लाइसेंस प्राप्त करने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती है.

कोर्स और क्वालिफिकेशन - देश के अलग-अलग संस्थान टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं, जिसमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म (आईआईटीएम) सबसे खास है, तो वहीं संबंधित राज्य व केंद्र सरकारों के पर्यटन विभाग भी टूरिस्ट गाइड ट्रेनिंग कोर्स आयोजित करते हैं. जिन्हें पास करने पर आपको सर्टीफाइड गाइड का लाइसेंस मिलता है. टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए जरूरी है कि वे इस क्षेत्र में औपचारिक शिक्षा भी ग्रहण करें. देश में विभिन्न संस्थान एवं विश्वविद्यालय टूरिज्म में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री एवं मास्टर्स डिग्री प्रदान करते हैं. डिप्लोमा कोर्स की अवधि अमूमन एक वर्ष होती है, जिसे ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है. आईसीसीआर इस क्षेत्र में जूनियर फेलोशिप भी प्रदान करता है.

कॅरियर ऑप्शन - स्थानीय पर्यटन उद्योग, राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग, होटल इंडस्ट्री, टैवल एजेंसी, एविएशन, कार्गो ऑपरेशन, हॉस्पिटेलिटी आदि में टूरिस्ट गाइड के लिए अवसर बाट जोह रहे हैं. टूरिज्म उद्योग के विस्तार से टूरिस्ट गाइड का स्कोप बढ़ा है. मेहनती, कुशल और ईमानदार युवा चाहें तो भारत की संपन्न विरासत से अपने लिए समृद्ध भविष्य की राह खोज सकते हैं. भारत सरकार भी अब ग्रामीण पर्यटन को बढावा देने के लिए कदम उठा रही है. पर्यटन मंत्रालय के अनुसार पिछले वर्ष देश भर में 66 लाख विदेशी सैलानी आए, जिनसे करीब 17.75 अरब डॉलर की कमाई हुई. मंत्रालय ने प्रत्येक वर्ष इनकी संख्या में 12 फीसदी बढोत्तरी का लक्ष्य रखा है ताकि वर्ष 2016 तक पर्यटन से विदेशी मुद्रा की कमाई दोगुनी की जा सके. स्किल्ड युवाओं के लिए इस फील्ड में संभावनाओं के असीमित द्वार हैं.

क्यों जरूरी है अपनी स्किल्स में इजाफा करना?

आप करियर के उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां सोचते हैं कि अगले दस सालों में आप क्या करने जा रहे हैं? क्या कभी इस बात का भी अफसोस होता है कि आपने पढ़ाई के दौरान अलग-अलग विषयों का चुनाव क्यों नहीं किया, ताकि कुछ और पढ़ने या किसी दूसरी दिशा में करियर बनाने के बारे में सोच पाते? यदि इन प्रश्नों का उत्तर हां है तो यह समय है अपने पास मौजूद विकल्पों पर गंभीरता से विचार करने का। खुद की स्किल्स में निवेश करके अपने आप को आगे बढ़ाने का, री-स्किलिंग का।

क्या है स्किल्स में इजाफा करना?

शब्दकोष में री-स्किलिंग का अर्थ होगा, वह प्रशिक्षण और अनुभव, जिसके जरिए नई और बेहतर स्किल्स की जानकारी मिलती है। करियर में किसी उम्मीदवार में नई स्किल्स हासिल करने, सीखने और खुद को बदलने की क्षमता और इच्छा का होना बेहद अहम गुण माना जाता है। यह दूरदर्शिता होना कि करियर को आगे ले जाने के लिए किन स्किल्स की जरूरत होगी और उस दिशा में कदम बढ़ाना किसी उम्मीदवार के करियर को आगे ले जाने में मदद करता है। आईआईएम-बेंगलुरु में चाइनीज बिजनेस लैंग्वेज कोर्स पढ़ाने वाले प्रो. एस स्वामीनाथन कहते हैं, 'अपनी स्किल्स में इजाफा करने का अर्थ सक्रिय होकर केवल नई स्किल सीखना भर नहीं है। यह नौकरी से ब्रेक लेकर उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाना भी हो सकता है। उदाहरण के लिए कई आईआईएम केंद्रों में मंडारिन एक लोकप्रिय लैंग्वेज कोर्स बन कर उभरा है। वर्तमान में भारत-चीन एक-दूसरे से व्यापारिक रिश्तों को नकार नहीं सकते। विश्व अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान हासिल करने के लिए इस दिशा में कदम बढ़ाना जरूरी भी होगा। ऐसे में चाइनीज बिजनेस कोर्स की मदद से विद्यार्थी दोनों देशों में बन रहे आर्थिक समीकरणों में अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।'

कॉलेज के दौरान लिए गए विषय निश्चित तौर पर पसंदीदा जॉब हासिल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पर ऐसे भी मामले मिलते हैं, जहां लोग संयोगवश दूसरे क्षेत्रों में करियर बना बैठते हैं या फिर अपने करियर के दौरान ऐसे फंस जाते हैं, जहां उनके लिए समझना मुश्किल हो जाता है कि अब वे किस ओर कदम बढ़ाएं। दो से तीन वर्ष नौकरी कर चुकने वाले विशेषज्ञता प्राप्त उम्मीदवार और बड़े अधिकारी भी यह मानते हैं कि बदलावों से गुरेज करना और अपनी स्किल्स को बढ़ाने का प्रयास न करना एक स्तर पर आकर उम्मीदवार की प्रगति को बाधित कर देता है। जिस तेजी से कार्यस्थल और उनकी नीतियां बदल रही हैं, यह पहले से भी जरूरी हो गया है कि उम्मीदवार खुद को उपयोगी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। थोलोंस ग्लोबल इंस्टीट्यूट में एमडी अंकिता वशिष्ठ के अनुसार, 'जॉब मार्केट में खुद को रोजगार योग्य और उपयोगी बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। वर्कप्लेस पर बढ़ती विविधता और नित बदलती तकनीक ने कर्मचारियों पर नई तकनीक और कार्य प्रणाली को सीखने का दबाव बनाया है। उदाहरण के लिए, यदि कोई नई तकनीक मसलन बिग डाटा और एनालिटिक्स में करियर बनाना चाहता है तो उसके लिए स्टैटिस्टिक्स में क्रैश कोर्स करना फायदेमंद हो सकता है।

एक परंपरागत मार्केटिंग व्यक्ति के लिए डिजिटल मार्केटिंग में अनुभव बढ़ाना लाभप्रद रहेगा। इसी तरह अन्य उम्मीदवार खुद को किसी ऑनलाइन कोर्स या डेवलमेंट प्रोग्राम से भी जोड़ सकते हैं।' ग्लोबल रिक्रूटमेंट फर्म केली सर्विसेज के हालिया अध्ययन के अनुसार विश्व परिदृश्य की तुलना में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बड़े स्तर पर कर्मचारी तेजी से उभरते बाजार में अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जता रहे हैं। 69% भारतीय कर्मचारी आगे बढ़ने के लिए उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल करने के बारे में गंभीरता से सोच रहे हैं। यह संख्या यूरोप और अमेरिका की तुलना में अधिक है। पहले बैंकों में नौकरी में उन्हीं लोगों को रखा जाता था, जो पहले बैंक में नौकरी करते रहे हैं। इसी तरह एफएमसीजी कंपनियां भी इसी क्षेत्र के अनुभव को वरीयता देती थीं। पर वह समय बीत गया है। आज कंपनियां विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वालों को रखना पसंद करती हैं। यानी गतिशील बाजार में खुद को रोजगार योग्य बनाने व उच्च पदों को कुशलता से संभालने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत होगी ही।'

रोचक तथ्य - 57 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अपने वर्तमान नियोक्ता के पास ही पदोन्नति को ध्यान में रखते हुए अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जतायी। वहीं 47 प्रतिशत के अनुसार वे दूसरी कंपनी में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे।

70 प्रतिशत के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण और उपयोगी स्किल नौकरी करते हुए हासिल की जा सकती है। उसके बाद 58 प्रतिशत ने शिक्षा और प्रशिक्षण को जरूरी बताया है। 26 प्रतिशत के अनुसार सेमिनार और वेबिनार से भी नई स्किल सीखने में मदद मिलती है। 42 प्रतिशत के अनुसार वे किसी नए कार्यक्षेत्र में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे। इन सब में गणित, इंजीनियरिंग और आईटी कर्मियों ने खुद को आगे बढ़ाने के लिए री-स्किलिंग को अन्य की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है। 31 देशों से लगभग 1 लाख 20 हजार कर्मियों ने इस सर्वे में भाग लिया। अमेरिका में उम्मीदवारों ने प्रमोशन हासिल करने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत जतायी। वहीं कुछ देशों में कर्मियों ने प्रमोशन पाने और नए नियोक्ता के यहां नौकरी पाने के लिए री स्किलिंग को जरूरी बताया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in